हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● बुधवार, 19 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 93 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करें बल्कि ध्यान भी लगाएं। प्रार्थना में हम ईश्वर से बात करते हैं जबकि ध्यान में ईश्वर हमसे बात करते हैं।

08

उर्फी जावेद को मिली जान से मारने की धमकी एक्ट्रेस पे पुलिस में...

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	59,727.01
निफ्टी	:	17,660.15

सर्राफा

सोना	:	5,730
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

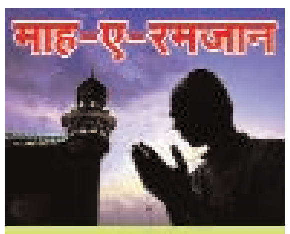

इफ्तार (बुधवार) : 06.14
सेहरी (गुरुवार) : 04.05

ब्रीफ न्यूज

अतीक के वकील के घर के पास 3 बम फेंके

प्रयागराज : प्रयागराज की कटरा गोबर गली में तीन देसी बम फेंके गए। इसी गली में माफिया अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्र रहते हैं। बम से कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन वकील का कहना है कि उन्हें डराने के लिए ये ब्लास्ट किए गए। पुलिस इसे दो अन्य गुटों का झगड़ा बता रही है। उसका कहना है कि अतीक के वकील का इन ब्लास्ट से कोई मतलब नहीं है। कर्नलगंज थानाध्यक्ष राम मोहन राय ने बताया- घटना गोबर गली की है। यहां रहने वाले हर्षित सोनकर का रौनक, आकाश सिंह और छोटे के साथ पैसों को लेकर विवाद था। हर्षित बदला लेने के लिए हाथ में बम लेकर आकाश सिंह के घर पहुंच गया। उसके झोले में भी बम रखा था। उसने आकाश के घर में महिला को धमकी देते हुए कहा- मेरा नाम हर्षित सोनकर है। समझ लो। इसके बाद उसने गली में ताबड़तोड़ तीन बम फोड़ दिए। इससे गली में धुआं भर गया। लोग डर की वजह से घरों में छिप गए। इसके बाद घटना की सूचना कर्नलगंज थाने को दी गई। तत्काल इंस्पेक्टर कर्नलगंज और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। जांच में पता चला कि हर्षित ने डराने के लिए देसी बम फोड़ा है।

देश में कोरोना के 7,633 नए मरीज, सात की मौत

नई दिल्ली : देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7,633 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में सात संक्रमित मरीजों की मौत हो गई। इस दौरान 6,702 मरीज स्वस्थ हुए । अब तक कोरोना वायरस से 4,42,42,474 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.68 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 61,233 हो गई है। दैनिक संक्रमण दर 3.62 प्रतिशत है। टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 749 खुराक दी गई हैं। देश में अबतक कोरोना से बचाव के टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 2,11,029 लोगों की जांच की गई है। अबतक कुल 92.43 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है।

रांची समेत 17 जिलों का पारा 40 डिग्री के पार

रांची : झारखंड के कई जिलों में इनदिनों पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गयी है। राजधानी रांची सहित राज्य के 17 जिलों का पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। सबसे अधिक गर्मी गोड्डा में पड़ रही ह। मंगलवार को यहां का पारा 44.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. बढ़ती गर्मी का असर आम जनजीवन पर दिखने लगा है। 18 जिलों में लू चलने की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। मौसम की स्थिति देखते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा है। संताल परगना में सबसे अधिक गर्मी पड़ रही है। यहां के तीन जिले देवघर, गोड्डा और पाकुड़ में पारा 44 डिग्री सेल्सियस से पार चला गया है।

नियोजन नीति के विरोध में आज झारखंड बंद, राज्यभर में निकला मशाल जुलूस

बंद समर्थकों से सख्ती से निबटेगी पुलिस, चेकनाकों पर ही रोकने की तैयारी, उपद्रवी होंगे गिरफ्तार

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड में नियोजन नीति के विरोध में छात्रों का आंदोलन जारी है। झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन ने 72 घंटे के आंदोलन के दूसरे दिन मंगलवार को रांची समेत राज्यभर में छात्रों ने मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान सभी छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक की तरफ गए और झारखंड बंद का आह्वान किया। छात्रों ने कहा कि नियोजन नीति का विरोध तबतक नहीं थमेगा जबतक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जाती। इस दौरान बुधवार को आहुत झारखंड बंद को सफल बनाने का आह्वान किया। इधर, पुलिस ने भी बंद समर्थकों से निबटने की पूरी तैयारी कर ली है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विशेष तौर पर राजधानी रांची में प्रवेश करने वाले जगहों पर चेकनाका लगाया गया है। जहां से बंद समर्थकों को रोक दिया जाएगा। रांची एसएसपी किशोर कौशल ने कहा है कि बंद के दौरान उपद्रव करने वालों से सख्ती से निबटा जाएगा। तोड़फोड़ करने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा। साथ ही नुकसान की भरपाई भी कराई जाएगी।

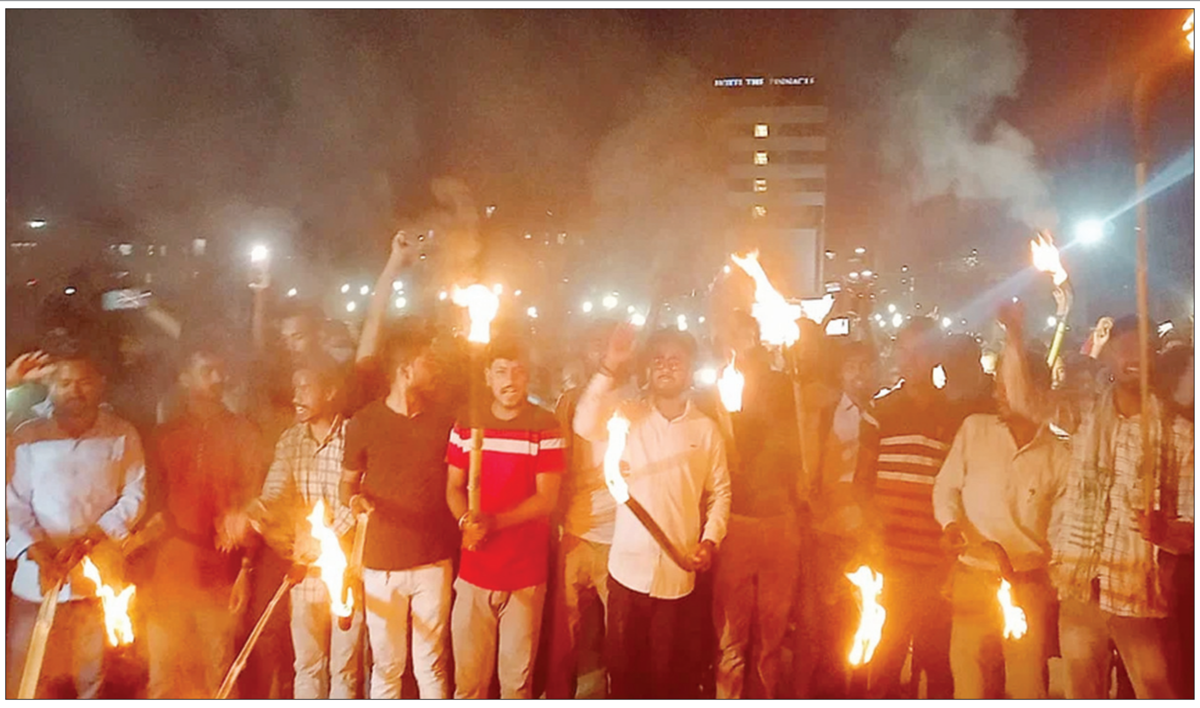

रांची में नियोजन नीति के विरोध में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस निकालकर विरोध जताते छात्र ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर में विद्यार्थियों ने निकाला मशाल जुलूस : कोल्हान यूथ फाइटर्स के बैनर तले मंगलवार की शाम चक्रधरपुर शहर के न्यू बस स्टैंड हनुमान मंदिर समीप स्थित पेट्रोल पंप से विशाल मशाल जुलूस निकालकर पश्चिमी सिंहभूम बंद की अपील की गयी। इस मशाल जुलूस का नेतृत्व छात्र नेता बंसत महतो व बासिल हेंब्रम ने किया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिक सुविधाओं को छोड़कर सभी शैक्षणिक संस्थान तथा स्कूल, कॉलेज, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले संस्थान, विभिन्न प्रतिष्ठानों, उद्योग आदि बंद रहने की बात कही गयी। इस दौरान बंदी को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। जुलूस को सफल बनाने में मुख्य रूप से आकाश महतो, रोहन महतो, शकुंतला सरदार, प्रेमलता सरदार, लक्ष्मी चोड़ा, जरोय बोईपाई, लखीराम मुंडरी, मधु बिरवा, दीपक महतो, रवि महतो, हिमांशु महतो, विशाल मुंडा, चंद्रशेखर महतो, कुश मांझी, विवेक महतो, हेमंत महतो, लक्ष्मण खंडाईत, रविन्द्र महतो, विनोद महतो, राजकुमार महतो आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बोकारो के चंदनकियारी में निकला मशाल जुलूस : 60-40 नियोजन नीति के खिलाफ झारखंड राज्य छात्र यूनियन ने झारखंड बंद के समर्थन में बोकारो के चंदनकियारी में मशाल जुलूस निकाला। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति चंदनकियारी इकाई द्वारा बुधवार को बंद को सफल बनाने की अपील की गयी। मौके पर कुमुद महतो, जगन्नाथ रजवार, रामपद महतो, दिलीप मोदी, मनपूरन महतो, शिबू राय, हरिपद महतो, दिनेश कुमार महतो, पिंकू कुमार महतो, हीरालाल महतो, प्रह्लाद महतो, परमेश्वर महतो, अश्वनी महतो, पांडव महतो, गौतम महतो, मानिक महतो, सोहन महतो, मनोज महतो, दिलीप महतो, गोविंद महतो, रंजीत महतो, मुकेश महतो, दिनेश महतो, जयदेव महतो, चक्रधर महतो सहित अन्य मौजूद थे।

गुमला के बिशुनपुर में निकला मशाल जुलूस : झारखंड के 60-40 नियोजन नीति के विरोध में झारखंड बंद को लेकर बिशुनपुर प्रखंड के छात्र एवं विभिन्न संगठनों के द्वारा मंगलवार की शाम मशाल जुलूस निकाला गया, जो कार्तिक उरांव चौक से लेकर बिरसा बाग बिशुनपुर तक गया। इस दौरान जमकर सरकार विरोधी नारे भी लगाये गये। इस मौके पर रोहित रोशन भगत ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार यहां के मूलवासी, आदिवासी एवं छात्रों को ठगने का काम कर रही है और जब छात्र संवैधानिक तरीके से अपने हक एवं अधिकार के लिए आंदोलन करते हैं, तो सरकार अपनी तानाशाही रवैया अपनाते हुए उनपर लाठीचार्ज करवा रही है।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी पुलिस, कंट्रोल रूम अलर्ट

रांची : नियोजन नीति के खिलाफ विभिन्न छात्र संगठनों के द्वारा बुधवार को झारखंड बंद का बुलाया गया है। बंद को देखते हुए रांची पुलिस अलर्ट है। बंद के दौरान उपद्रवियों से निबटने के लिए एक हजार जवानों की तैनाती हुई है। शहर के सभी चौक चौराहों पर अतिरिक्त बल की तैनाती कर दी गई है। एसएसपी किशोर कौशल ने जिला के सभी डीएसपी और थानेदारों को आदेश दिया है कि वह अपने अपने क्षेत्र में मुस्तैद रहे। सिटी कंट्रोल रूम में तैनत पुलिसकर्मियों को आदेश दिया गया है कि सीसीटीवी से प्रत्येक लोगों की गतिविधि पर नजर रखें। किसी इलाके में बंद के दौरान कोई सूचना मिले तो तुरंत कंट्रोल रूम में इसकी सूचना दें और मौके पर अतिरिक्त जवानों को भेजें। सिटी एसपी और ट्रैफिक एसपी को मानेटरिंग करने के लिए कहा गया है। बंद को देखते हुए शहर के सभी थानेदरों ने होटल और लॉज में रहने वाले लोगों का सत्यापन किया। होटल और लॉज संचालकों को आदेश दिया गया है कि किसी को भी संदिग्ध हालत में देखे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। शहर में कई थानेदारों ने छात्र नेताओं को थाना में बुलाया और उन्हें बंद के दौरन शांति बनाए रखने के लिए कहा।

सीएम कल वित्तीय वर्ष के लिए एक्शन प्लान को लेकर करेंगे समीक्षा बैठक

वरीय संवाददाता, रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एक्शन प्लान तैयार करने के लिए अधिकारियों के साथ 20 अप्रैल को समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री बीते वित्तीय वर्ष 2022-23 के 31 मार्च तक बजटीय प्रावधान के अनुरूप कितनी राशि व्यय की गयी, इसकी भी जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री की समीक्षा को देखते हुए मंत्रिमंडल, सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव को निर्देश देते हुए इस वित्तीय वर्ष में संबंधित विभागों के पास उपलब्ध कार्ययोजना की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री इस एक्शन प्लान को लेकर प्रोजेक्ट भवन में 20 अप्रैल को दिन तीन बजे से समीक्षा बैठक करेंगे, जिसमें सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इधर, योजना एवं विकास विभाग ने भी सभी विभागों से पीपीटी मांगा ताकि इसे मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाये। नए वित्तीय वर्ष का शुरूआती महीना शुरू हो चुका है, ऐसे में पूरे सालभर का एक्शन प्लान तैयार करने पर काम चल रहा है, ताकि योजनाओं की स्वीकृति से लेकर क्रियान्वयन आसानी से किया जा सके। पूर्व की योजनाओं को भी पूर्ण करने के लिए समय-सीमा इस बैठक में निर्धारित की जायेगी। मुख्यमंत्री अफसरों को यह टास्क भी देंगे कि आमजनों के लिए बनी योजनाएं समय पर धरातल पर उतरे, ताकि उसका लाभ लिया जा सके।

फाइल फोटो

गढ़वा में सर्च ऑपरेशन में विस्फोटक सहित कई सामान बरामद

गढ़वा : गढ़वा पुलिस और सीआरपीएफ 172 बटालियन की संयुक्त टीम ने भंडरिया थाना क्षेत्र स्थित तुमेरा गांव से विस्फोटक सहित अन्य सामान बरामद किया है। अभियान के दौरान ही टीम ने विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किए। बरामद सामानों में दो हार्ड डिस्क, एक यूएसबी केबल, एक एक्सप्लोडर-ब्लास्टिंग मशीन, एक मल्टीमीटर, एक मोटोरोला वॉकी टॉकी, दो कैप के साथ 9 वोल्ट बटी, 21 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर लेग वायर, करीब 30 मीटर लचीले तार, 1.5 मीटर कमर्शियल कॉर्डेक्स, एक किग्रा, टिफिन आईईडी, दो नग इलेक्ट्रिक कमर्शियल डेटोनेटर, एक नॉन इलेक्ट्रिकल कमर्शियल डेटोनेटर, 21 नग सिरिंज प्रेशर मैकेनिज्म, एक बेड स्विच, ट्रिप वायर, 48 नग अप्रयुक्त सिरिंज, नक्सल साहित्य और एक बाइक शामिल है।

कस्टम डिपार्टमेंट की बड़ी कार्रवाई : 10 क्विंटल गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बरामद गांजे का बाजार मूल्य करीब डेढ़ करोड़ रुपये

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

रांची में कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक हजार किलो गांजा बरामद किया है। यह गांजे की खेप जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के रामपुर में पकड़ी गई है। इस दौरान कस्टम विभाग ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। बरामद किए गए गांजा की कीमत करीब डेढ़ करोड़ बताई जा रही है। झारखंड में ये गांजा के खिलाफ अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में ट्रक का ड्राइवर और खलासी है। दोनों से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कस्टम विभाग के अधीक्षक संचित प्रसाद को गुप्त सूचना मिली की एक ट्रक में छुपाकर बड़ी मात्रा में गांजा की खेप को एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाया जा रहा है। उसके बाद एक विशेष टीम बनाकर छापेमारी की गई। ट्रक का नंबर डब्लूबी 23सी-4693 पर गांजा लोड था। जिसे रांची-जमशेदपुर रोड में रामपुर के पास पकड़ा गया। इस छापेमारी में विशेष तौर पर सेंट्रल जीएसटी के कुछ अधिकारियों को भी शामिल किया गया था। जानकारी के अनुसार गांजा की इस बड़ी खेप को छत्तीसगढ़ के संबलपुर से बिहार के मोहनिया लेकर जा रहे थे। इस खेप को पहुंचाने के लिए झारखंड के रास्ते से ही होकर जाना था। लेकिन, झारखंड में प्रवेश करते ही कस्टम विभाग को इसकी सूचना मिल गई।

कस्टम विभाग द्वारा पकड़ी गई गांजा की खेप ● फोटोन न्यूज

सुप्रीम कोर्ट में बिलकिस बानो की याचिका पर हुई सुनवाई, दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप

कोर्ट ने कहा- आज यह बिलकिस के साथ हुआ, कल किसी के साथ भी हो सकता है

एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिलकिस बानो की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने गुजरात सरकार पर अपने मामले के दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपनी याचिका में 11 दोषियों को रिहा किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने सुनवाई के दौरान सरकार से दोषियों की रिहाई का कारण पूछा। कोर्ट ने कहा- आज यह बिलकिस के साथ हुआ, कल किसी के साथ भी हो सकता है। कोर्ट ने केंद्र और गुजरात सरकार से कहा- दोषियों को समय से पहले रिहाई देने से जुड़ी फाइलें पेश करें। अगर आप दोषियों को रिहा करने की वजह नहीं बताते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकालेंगे। कोर्ट ने मामले में केंद्र और राज्य सरकार से 1 मई तक फाइल पेश कर जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कोर्ट में केंद्र और गुजरात सरकार की ओर से एएसजी एसवी राजू पेश हुए। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन लगाने पर विचार करेंगे, जिसमें रिहाई की फाइल मांगी गई है। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को दोपहर 2 बजे होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है, जहां एक गर्भवती महिला के साथ गैंगरेप किया गया और उसके सात रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई। आप सेब की तुलना संतरे से कैसे कर सकते हैं? आप एक व्यक्ति की हत्या की तुलना सामूहिक हत्या से कैसे कर सकते हैं? यह एक समुदाय और समाज के खिलाफ अपराध है। हमारा मानना है कि आप अपनी शक्ति और विवेक का इस्तेमाल जनता की भलाई के लिए करें। दोषियों को रिहा करके आप क्या संदेश दे रहे हैं?

15 अगस्त को रिहा हुए थे दोषी

2002 में हुए गोधरा कांड के दौरान बिलकिस बानो से रेप किया गया था और उसके परिवार के लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 11 लोगों को दोषी ठहराया गया था। पिछले साल 15 अगस्त को गुजरात सरकार ने सभी दोषियों को जेल से रिहा कर दिया।

इसके बाद बिलकिस बानो ने 30 नवंबर 2022 को इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए याचिका दायर की थी। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता सुभाषिनी अली और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मामले के 11 दोषियों को रिहा करने के गुजरात सरकार के आदेश को रद्द करने की मांग की थी।

गर्मी और लू को देखते हुए राज्य में स्कूलों का बदला समय, आदेश जारी

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड में बढ़ती गर्मी और लू देखते हुए राज्य सरकार ने सभी स्कूलों की टाइमिंग बदल दी है। अब सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक स्कूल संचालित होगी। इसके तहत केजी से पांच की कक्षाएं सुबह सात बजे से 11 बजे तक और छह से ऊपर की कक्षाएं सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगी। इस दौरान प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियां धूप में संचालित नहीं होगी। वहीं, मध्याह्न भोजन का संचालन जारी रहेगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के रवि कुमार की ओर से जारी आदेश में बताया गया कि यह व्यवस्था 19 अप्रैल से 25 मई, 2023 तक लागू रहेगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के रवि कुमार ने जारी आदेश में बताया कि अत्यधिक गर्मी पड़ने और लू की संभावना को ध्यान में रखकर सरकार ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है। आदेश में कहा गया कि इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होनेवाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेकर सूचित किया जाएगा। इधर, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस वृद्धि की संभावना जतायी है। खासकर कर पलामू समेत कोल्हान और संताल परगना क्षेत्र में लू चलने की संभावना जतायी गयी है। इसको लेकर मौसम विभाग ने लोगों को अलर्ट किया है। लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच मौसम विभाग ने 20 अप्रैल से मौसम में बदलाव के संकेत दिये हैं। राज्य के कई इलाकों में 20 से 22 अप्रैल तक आकाश में बादल छाये रहेंगे, जबकि कहीं-कहीं गर्जन के साथ बारिश की संभावना भी जतायी गयी है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने श्री निर्मल विशेष योग्यजन विद्यालय एवं छात्रावास का जायजा लिया

दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में लाना समाज की नैतिक जिम्मेदारी : कोविंद

एजेंसी, जयपुर।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को राजधानी स्थित श्री निर्मल विशेष योग्यजन विद्यालय एवं छात्रावास का अवलोकन कर वहां दिये जा रहे शिक्षण-प्रशिक्षण का जायजा लिया। कोविंद ने श्री विवेक विशेष विद्यालय संस्थान को ही इन बच्चों के वास्तविक माता पिता की संज्ञा देते हुए संस्था द्वारा इन विशेष योग्यजन छात्र-छात्राओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए जा रहे सार्थक प्रयासों और दिए जा रहे प्रशिक्षण को प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि अब समाज की विशेष योग्यजन और दिव्यांगों के प्रति रूढ़िवादी सोच में परिवर्तन आ रहा है जो एक

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व अन्य। ● एजेंसी

सकारात्मक संकेत है।

उन्होंने लोगों से इन विशेष योग्यजन बालक-बालिकाओं में ही ईश्वर को देखने की बात कहते हुए इन के चेहरे पर लायी गई मुस्कुराहट को अधिक सार्थक और फलदायी बताया। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज के नाते हमारी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम रूढ़िवादी सोच और मानसिकता से बाहर आकर इस तरह के विद्यालयों के साथ इन बच्चों को अपनाये और इन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ कर इनके जीवन में रोशनी लाएं।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार ह्लमित्रताह्व शीर्षक लघु नाटक प्रस्तुत कर मुश्किल समय में सबको साथ लेकर चलने और साथ निभाने का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम में समाजसेवी जे.के. वैद्य द्वारा संस्था के लिए ढाई लाख रुपये की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया। कार्यक्रम में श्री विवेक विशेष विद्यालय संस्थान एवं छात्रावास के अध्यक्ष आई.सी. श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी और सामाजिक संस्थानो से जुड़े लोग उपस्थित रहें।

शिमला पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल व सीएम ने किया स्वागत

शिमला : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार दिवसीय प्रवास पर हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंची। वह मंगलवार दोपहर को सेना के हेलिकॉप्टर से शिमला से सटे कल्याणी हेलीपेड पर उतरीं। यहां पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समेत अन्य वरिष्ठ नेता और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी के शिमला आगमन के कुछ समय बाद यहां के मौसम ने करवट बदली और झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे शिमला का मौसम ठंडा हो गया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति बनने के बाद द्रोपदी मुर्मू पहली बार शिमला प्रवास पर आई हैं। वह चार दिन शिमला में रुकेंगी। कल्याणी हेलीपेड में लैंड करने के बाद राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का काफिला सीधे राष्ट्रपति निवास रिट्रीट के लिए रवाना हुआ। द्रोपदी मुर्मू शिमला प्रवास के दौरान रिट्रीट में रुकेंगी।

वह राष्ट्रपति निवास में निर्मित ट्यूलिप गार्डन का शुभारंभ करेंगी। आज शाम 5:40 बजे द्रोपदी मुर्मू राष्ट्रपति निवास रिट्रीट से राजभवन के लिए रवाना होंगी।

पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए सीएम

पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी को सांत्वना देते सीएम। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, रांची।

दिवंगत पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो के श्राद्ध कर्म में शामिल होने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार की दोपहर बोकारो स्थित पैतृक गांव अलारगो के सिमराकुल्ही गांव पहुंचे। मुख्यमंत्री ने महतो की पत्नी व परिवार के अन्य परिजनों से मिले और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने जगरनाथ के निधन को बड़ी क्षति बताते उनके योगदान को भी याद किया। मुख्यमंत्री ने परिवार को हर परिस्थिति में सरकार और झामुमो का सहयोग मिलने का आश्वासन दिया। श्राद्ध कार्यक्रम में मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, हफीजुल हसन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत कई विधायक और अन्य भी शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो मार्च माह में बजट सत्र के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। फिर चेन्नई ले जाए गये, लेकिन 6 अप्रैल को उनका निधन हो गया था।

पुलिस की जांच में खुलासा : पीएफआई सदस्य अकबर पाशा के इशारे पर दी गई थी गडकरी को धमकी

पुलिस आयुक्त ने कहा, इस पूरे मामले के तार विदेशों तक फैले हैं

एजेंसी, नागपुर।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी दिए जाने के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि बेलगाम जेल में बंद पीएफआई के सदस्य अकबर पाशा के कहने पर जयेश कांता उर्फ शाकिर ने गडकरी के कार्यालय में धमकी भरा फोन किया था।

बेलगाम जेल में बंद जयेश पुजारी उर्फ शाकिर ने इसी साल 14 जनवरी और 21 मार्च को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में फोन किया था। उसने पहली बार 100 करोड़ रुपये और दूसरी बार 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी और न देने पर नितिन गडकरी को

नागपुर पुलिस के साथ गिरफ्तार अपराधी। ● एजेंसी

जान से मारने की धमकी दी थी।

नागपुर पुलिस के मुताबिक अकबर पाशा प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का सदस्य है। इसलिए नागपुर पुलिस बेलगाम जेल में बंद कैप्टन नसीर, फहाद कोया, राशिद मालाबारी और अन्य आतंकी साथियों के साथ अकबर पाशा से पूछताछ करेगी। इस जांच के सिलसिले में नागपुर पुलिस फिर एक बार बेलगांव जाएगी। बेलगाम जेल में बंद जयेश पुजारी एक नहीं, बल्कि कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ा है। वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल कई लोगों के संपर्क में था। बेलगाम जेल में आने से पहले भी उसके संपर्क विध्वंसक गतिविधियों में सक्रिय लोगों से थे।

नागपुर के पुलिस आयुक्त ने बताया कि बेलगाम जेल से भी शाकिर आतंकी संगठनों के संपर्क में था। बतौर पुलिस आयुक्त जांच में इस बात के सबूत मिले हैं कि जयेश उर्फ शाकिर प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, लश्कर-ए-तैयबा और दाऊद इब्राहिम से जुड़े लोगों के नियमित संपर्क में था। पुलिस आयुक्त ने कहा कि इस पूरे मामले के तार विदेशों तक फैले हैं। इसीलिए नागपुर पुलिस

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के सभागार में यूथ अवेयरनेस हेल्थ प्रोग्राम का हुआ आयोजन

संवाददाता, रांची।

विकास सारथी रांची के तत्वावधान में मंगलवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के सभागार में यूथ अवेयरनेस हेल्थ प्रोग्राम ऑन एसआरएच का आयोजन किया गया। अवरनेस हेल्थ प्रोग्राम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि छात्र बोलने की हिम्मत जुटाये। छात्र गलत को गलत और सही को सही बोले। अगर आपके पिता भी सही को गलत बता रहे हैं, तो उसका विरोध कीजिए। हमेशा कमजोर लोगों के साथ खड़े रहे और मजबूत लोगों का विरोध करेंगे, तो आपकी एक अलग पहचान बनेगी। उन्होंने कहा कि परिस्थिति के अनुसार अपने आप को बदलना होगा। यह आपको तय करना है, आपकी पहचान से लोगों की पहचान बने।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि। ● द फोटोन न्यूज

गुप्ता ने कहा कि आज का विषय बहुत ही गंभीर है। इस बात को हमें समझने की जरूरत है। आज यहां बैठे जितने लोग हैं, चाहे आप हो या मैं हूं, मासिक धर्म के करण ही इस दुनिया में आए हैं। जब हमारी माताओं- बहनों का मासिक धर्म रुक जाता है, तब हमारा जन्म होता है। हम पुरुष प्रधान लोगों का बाहर कोई जोर नहीं चलता। पर जब हम घर में जाते हैं तो घर की महिलाओं से ऊंची आवाज में बात करते हैं। मौके पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में कई छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। छात्र अपने चुनौतीपूर्ण जीवन से भागते हैं। छात्र इस चुनौती को स्वीकार करें और अपनी जिम्मेवारी का निवर्हन कीजिए। देश और समाज को चलाने की जिम्मेवारी छात्रों पर है।

भारत की एससीओ अध्यक्षता मंत्र एक सुरक्षित एससीओ की ओर से निर्देशित : भूपेन्द्र यादव

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्तरदायी एससीओ सदस्य देशों के मंत्रालयों और विभागों के प्रमुखों की चौथी बैठक मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई।

इस अवसर पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत की एससीओ अध्यक्षता मंत्र, ₹एक सुरक्षित₹ एससीओ की ओर₹ से निर्देशित है। इस मंत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2018 में किंगदाओ शिखर सम्मेलन में दिया था। उन्होंने कहा कि भारत बहुपक्षीय, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और लोगों से लोगों के संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एससीओ को विशेष महत्व देता है।

भूपेन्द्र यादव ने मिशन लाइफ के बारे में उल्लेख किया, जिसे 20 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था। उन्होंने एससीओ समुदाय को व्यक्तिगत, परिवार और समुदाय-आधारित कार्यों के लिए मिशन लाइफ का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया।

बैठक में एससीओ सदस्य देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कजाकिस्तान गणराज्य, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, किर्गिज गणराज्य, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान, रूसी संघ, ताजिकिस्तान गणराज्य के मंत्रियों, उज्बेकिस्तान गणराज्य के उप मंत्रियों के साथ एससीओ सचिवालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वर्चुअल माध्यम से आयोजित बैठक में मंत्री भूपेंद्र यादव। ● एजेंसी

टेक्सटाइल पार्क के लिए आयोजित एमओयू कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री योगी

उत्तर प्रदेश के कलंक को हमारी सरकार ने मिटाया

एजेंसी, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए लोकभवन में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की पहचान जिस वस्त्र उद्योग से थी, उस उद्योग को लेकर पीएम मित्र योजना की शुरूआत के लिए उत्तर प्रदेश को चुना गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इसके लिए आभार जताया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं तो विपक्ष पर भी करारा हमला बोला। पूर्ववर्ती गैर-भाजपा सरकारों पर भी सवाल खड़े किए। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कलंक को हमारी सरकार ने मिटाने का काम किया।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि प्रधान राज्य रहा है। यहां की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर

लोकभवन में आयोजित एमओयू कार्यक्रम में सीएम व अन्य। ● एजेंसी

रहती है। कृषि के बाद वस्त्र उद्योग से बड़ी निर्भरता है। लखनऊ की चिकनकारी, भदोही का कारपेट उद्योग, कानपुर वस्त्र उद्योग का हब होता था। कानपुर प्रदेश नहीं देश का महत्वपूर्ण शहर है। विपक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि एक ऐसा समय आया जब कानपुर के उद्योग बंद होते गये। हैण्डलूम सेक्टर भी बंद हो गया। विगत नौ वर्षों में देश ने प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर सम्मिट में उत्तर प्रदेश ने निवेश के बड़े प्रस्ताव प्राप्त किए। उत्तर प्रदेश आगे जल्दी ही निवेश प्रस्तावों में से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करेगा। राज्य सरकार निवेशकों की हर जरूरतें पूरी करने का कार्य कर रही है। सरकार ने मानवीय हस्तक्षेप को जीरो स्तर पर ले जाने का कार्य किया है। हम पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं।

हम कामगारों के लिए इंटर्नशिप की भी कार्यवाही कर रहे हैं। ऐसा शायद ही एक दो राज्य कर रहे होंगे। वस्त्र उद्योग या अन्य उद्योगों के लिए हम पावर के लिए प्रति यूनिट छूट भी देंगे। निवेशक को किसी कार्यालय के चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए भी सरकार ने व्यवस्था की है। राज्य सरकार निवेशकों के लिए, आपके पूंजी को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। हमारा प्रयास है कि गंगा एक्सप्रेस-वे को हम कुंभ 2025 से पहले शुरू कर देंगे।

विपक्ष पर करारा हमला

विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश 2017 से पहले दंगे के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012 से 17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए। 2017 के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई। आज कोई भी अपराधी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के कलंक को हम मिटा चुके हैं। पहले कहा जाता था कि जहां से अंधेरा शुरू हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू होता था। आज ये दूर हो गया है। 75 में से 71 जिले अंधेरे में होते थे। आज प्रदेश के गांवों में स्ट्रीट लाइट्स जगमगाती हैं। इससे पहले पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान(पीएम मित्र) योजना के तहत लखनऊ एवं हरदोई जिले में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए एमओयू साइन हुआ है। इस मौके पर उप्र के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

हरमू केंद्रीय कार्यालय में आजसू की बैठक आज

रांची : आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में बुधवार को रांची के हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में पार्टी की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी विधानसभा प्रभारी मौजूद रहेंगे। बैठक की जानकारी देते हुए मंगलवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि पार्टी अप्रैल माह को सामाजिक न्याय महीना के रुप में मना रही है। इस दौरान राज्य भर में कई कार्यक्रम किया जाना है और कई कार्यक्रम किए भी गए हैं, जिसमें 13 अप्रैल को राज्य के सभी 24 जिलों में आयोजित जिलास्तरीय न्याय मार्च भी शामिल है। साथ ही राज्यस्तरीय सामाजिक न्याय मार्च सहित कई अन्य राज्यव्यापी कार्यक्रम होना भी सुनिश्चित है।

सांसद ने शुरू किया पक्षियों को पानी अभियान

रांची : भीषण गर्मी को देखते हुए रांची के सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को "पक्षियों को पानी" अभियान की शुरूआत की। आज पहले दिन सांसद ने अरगोड़ा चौक पर स्थानीय फल सब्जी विक्रेताओं, टेंपो चालकों और अन्य राहगीरों के बीच मिट्टी के बर्तनों का वितरण किया। सेठ ने सबसे आग्रह किया कि अपने घरों व दुकानों में पक्षियों के लिए पानी भरकर रखें। गर्मी में इन पक्षियों का ख्याल रखना भी हमारा ही कर्तव्य है। सांसद ने कहा कि आज से आरंभ हुआ यह अभियान पूरे रांची लोकसभा क्षेत्र में चलाया जायेगा। उन्होंने कार्यकताओं व नागरिकों से अनुरोध किया कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग आगे आएं। पक्षियों की घटती संख्या हमारे लिए चिंता का विषय है और इसपर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए, हम पक्षियों को पानी उपलब्ध कराएं, यह सबसे आवश्यक है।

गडकरी 21 अप्रैल तक रहेंगे ऑस्ट्रिया के दौरे पर

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 18-21 अप्रैल तक ऑस्ट्रिया के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा, मैं 18 से 21 अप्रैल तक ऑस्ट्रिया के आधिकारिक दौरे पर रहूंगा। ऑस्ट्रियाई सरकार के प्रतिनिधियों से मिलूंगा, इंसब्रुक में 2023 मेले के उद्घाटन सत्र में शामिल होऊंगा और भारत-ऑस्ट्रिया मैत्री में योगदान देने वाली अन्य व्यस्तताओं के साथ ऑस्ट्रियाई कंपनियों के साथ बातचीत करूंगा।

प्रधानमंत्री 20 अप्रैल को बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे दिल्ली के अशोक होटल में वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को इस बाबत जानकारी दी। पीएमओ की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 20-21 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय द्वारा दो दिवसीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की जा रही है। वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का विषय समकालीन चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रियाः अभ्यास के लिए दर्शन है। शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वान और संघ के नेता हिस्सा लेंगे। वे लोग सम्मेलन में विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और बुद्ध धम्म में इसके उत्तर तलाशेंगे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया फिर कोरोना संक्रमित

भोपाल : केंद्रीय नागरिक उड्डयनमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया फिर कोरोना संक्रमित हो गए हैं। कल (सोमवार) रात उन्होंने ट्वीट कर यह सूचना साझा की। इससे पहले कोरोना की दूसरी लहर में भी सिंधिया संक्रमित हो गए थे। सिंधिया ने रात करीब साढ़े नौ बजे ट्वीट किया है। उन्होंने कहा है डॉक्टरों के परामर्श पर कराई गई कोविड-19 की जांच में मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सनद रहे सिंधिया शनिवार और रविवार को ग्वालियर प्रवास पर थे।

गृह मंत्री शाह आज करेंगे एएनटीएफ के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बुधवार को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन में संबंधित विभाग के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। सम्मेलन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), पूसा के एपी शिंदे संगोष्ठी हॉल में आयोजित किया जाएगा। यह सूचना केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दी है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री को रोकने को लेकर गंभीर है। इस पहल को मजबूत बनाने को लेकर शाह कल एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुखों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर संबोधित करेंगे।

गृह मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा करने में जुटे शाह

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय चिंतन शिविर की अध्यक्षा कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इस चिंतन शिविर में मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा की जा रही है, साथ ही भविष्य की चुनौतियों और तैयारियों को लेकर चर्चा हो रही है। शाह अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी कार्यों की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं, साथ ही मंत्रालय की ओर से किए गए कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। इस चिंतन शिविर में पीएम मोदी के ₹विजन 2047₹ को लागू करने की कार्य योजना और तैयारी को लेकर भी चर्चा हो रही है।

केन्द्र ने राज्यों से श्रमिकों के लिए गर्मी से निपटने के उपाय सुनिश्चित करने को कहा

नई दिल्ली : श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों और मजदूरों पर भीषण गर्मी के असर को लेकर तैयारी और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय श्रम सचिव आरती आहूजा ने इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकारें कंपनियों और नियोक्ताओं को गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश जारी करें। अपने पत्र में आहूजा ने इस बात का उल्लेख किया है कि मौसम विभाग ने उत्तर-पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्वी और मध्य भारत और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक होने का अनुमान लगाया है। पत्र में उठाए जा सकने वाले आवश्यक उपायों की सूची है। इसमें कर्मचारियों व श्रमिकों के काम के घंटों का पुनर्निर्धारण, कार्यस्थलों पर पर्याप्त पेयजल सुविधा, आपातकालीन आइस पैक और निर्माण श्रमिकों के लिए गर्मी की बीमारी से बचाव सामग्री का प्रावधान, स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर नियमित स्वास्थ्य जांच जैसे सुझाव शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ सरमा ने आधुनिक कामाख्या कॉरिडोर की झलक पेश की

गुवाहाटी : उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और मध्य प्रदेश के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर असम की राजधानी गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या कॉरिडोर बनाए जाने की असम सरकार ने रूपरेखा तैयार कर ली है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल नेटवर्किंग साइट ट्वीटर पर एक वीडियो ट्वीट कर दी है। शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम की प्रसिद्धी सिर्फ असम ही नहीं, बल्कि पूरे देश एवं विश्व में फैली हुई है। लाखों की संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना पूरा होने की चाहत से पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचते हैं।

ब्रीफ न्यूज

ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

रांची : डोरंडा थाना पुलिस ने 218 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तस्कर सुशील किस्पोट्टा को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 22 ग्राम ब्राउन शुगर और 70 हजार 400 रुपये बरामद किया गया है। वह डोरंडा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि बिरसा चौक बंधु नगर में ब्राउन शुगर का अवैध व्यापार किया जा रहा है। सूचना के बाद हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

हॉकी रांची सब जूनियर बालक-बालिका का चयन ट्रायल 22-23 को

रांची : हॉकी रांची सब जूनियर बालक-बालिका का चयन ट्रायल 22-23 अप्रैल को बरियातू एस्ट्रोटर्फ मैदान पर रांची में होगा। चयन ट्रायल में टूनामेंट के लिए हॉकी टीम का गठन किया जायेगा। चयनित खिलाड़ी हॉकी झारखंड सब जूनियर बालक एवं बालिका स्टेट चैंपियनशिप में रांची जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी हॉकी रांची के सचिव जयंत केरकेट्टा ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि बालिका वर्ग का टूनार्मेंट सह चयन ट्रायल 22 अप्रैल को और बालक वर्ग का 23 अप्रैल को सुबह आठ बजे से बरियातू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम रांची में होगा। इस टूनामेंट सह चयन ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनकी जन्म तिथि 1 जनवरी 2007 है।

झारखंड में 24 घंटे में कोरोना के 43 नए मरीज

रांची : राज्य में कोरोना धीरे-धीरे पांव पसार रहा है। पिछले 24 घंटे में 43 नए मरीज सामने आए हैं। इसके बाद संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 197 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के नए मामलों में रांची और गुमला में नौ-नौ, देवघर में आठ, पश्चिमी सिंहभूम(चाईबासा) में चार, पलामू और रामगढ़ में तीन - तीन, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) लोहरदगा और पाकुड़ में दो -दो और हजारीबाग में एक मरीज शामिल है। राज्य में सबसे अधिक 63 केस रांची में एक्टिव है।

सब इंस्पेक्टर सहित 31 जवान की पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति

रांची : पुलिस मुख्यालय में अलग-अलग जिले में पदस्थापित तीन सब इंस्पेक्टर सहित 31 पुलिसकर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से एसपी और कमांडेंट को निर्देश दिया गया है कि इन सभी पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को अभिलंब पुलिस मुख्यालय में योगदान कराना सुनिश्चित करें। प्रतिनियुक्त पुलिसकर्मियों में सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार रजक, मारुत नंदन, अमित अलेक्जेंडर कुजुर, रोशन कुमार, सीमा कुमारी, इकराम उल्लाह मल्लिक, गोबाई कुजूर ,सुशील कुमार, नागेंद्र कुमार पांडे ,अमर कुमार, सिकंदर विजेता ,उपेंद्र करमाली, रणधीर कुमार सिंह, संजय कुमार महतो, अरुण कुमार पांडे, देव कुमार सिंह, रिंकू कुमार रजक ,अखिल चौरसिया, मनीष कुमार यादव, चंदन कुमार सिंह, लालू कुमार, कमलेश कुमार, कुमार ओमप्रकाश, मृत्युंजय कुमार, विजय कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, विकास कुमार, दीपक पुंज, हीरालाल रविदास, जन्मेजय मुंडा, और सुखदेव खलखो शामिल हैं।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पलामू, गढ़वा और लातेहार में हो रहे अवैध खनन को लेकर हाईकोर्ट सख्त

आरटीआई एक्टिविस्ट की जनहित याचिका पर सुनवाई, तीनों जिलों के डीसी को अवैध खनन रोकने का आदेश

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने मंगलवार को पलामू, गढ़वा और लातेहार में अवैध माइनिंग को लेकर सख्ती दिखाई। कोर्ट ने तीनों जिलों के उपायुक्तों को अवैध खनन रोकने के आदेश दिए। साथ ही अदालत ने तीन सदस्यीय कमेटी को 26 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट अदालत के समक्ष सौंपने का भी निर्देश दिया है।

आरटीआई एक्टिविस्ट पंकज यादव की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने गढ़वा, पलामू और डाल्टनगंज के उपायुक्त को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि तीनों जिलों में किसी भी तरह का अवैध खनन और खनिज की अवैध ट्रांस्पोटिंग न हो। साथ ही अदालत ने तीन सदस्यीय कमेटी को 26 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट अदालत के समक्ष सौंपने का भी निर्देश दिया है। पिछली सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर उक्त जिलों में खनन की जांच करने का निर्देश दिया था। इस कमेटी में आईजी रैंक के एक और माइनिंग विभाग के दो अधिकारी शामिल हैं।

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के भाई सहित 13 पर आज तय होंगे आरोप

रांची : गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के भाई सहित 13 आरोपितों पर एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने आरोप गठन के लिए 19 अप्रैल निर्धारित की है। इनमें राजस्थान के बीकानेर निवासी हवाला कारोबारी सुनील कुमार शर्मा, उसका भाई अनिल कुमार शर्मा, बीकानेर का ही अनिल शर्मा, आनंद पारीख, रांची के बर्द्धमान कंपाउंड निवासी सिद्धार्थ साहू, अमन श्रीवास्तव का भाई अभिक श्रीवास्तव, उसका बहनोई चंद्रप्रकाश राणू, चतरा निवासी विनोद कुमार पांडेय, खलारी निवासी जहीर अंसारी, असलम अंसारी, फिरोज खान, अरवल निवासी संदीप प्रसाद और बेगूसराय निवासी कुमार शिवेंद्र उर्फ शिव शर्मा का नाम शामिल है। मामले में अमन श्रीवास्तव के भाई अभिक श्रीवास्तव ने कोर्ट में डिस्चार्ज याचिका दाखिल किया था। उस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 13 अप्रैल को आदेश सुरक्षित रखते हुए फैसला की तिथि 18 अप्रैल को तय की थी। मंगलवार को अभिक श्रीवास्तव का डिस्चार्ज याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के रंगदारी का रुपया हवाला के माध्यम से विभिन्न जगह निवेश करने के आरोप में आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) की टीम ने अमन श्रीवास्तव गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

त्रिकुट रोप-वे हादसा : 16 मई तक सरकार को जवाब दाखिल करने का मिला समय

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मंगलवार को त्रिकुट रोप-वे हादसे पर लिये गये स्वतः संज्ञान से जनहित याचिका में तब्दील मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने सरकार को 16 मई तक शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मई को होगी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। हाई कोर्ट की ओर से नियुक्त अमेकस क्यूरी (न्याय मित्र) कुमार वैभव भी अदालत में मौजूद थे। पिछले साल दस अप्रैल को देवघर के त्रिकूट पहाड़ के रोप-वे पर हुए

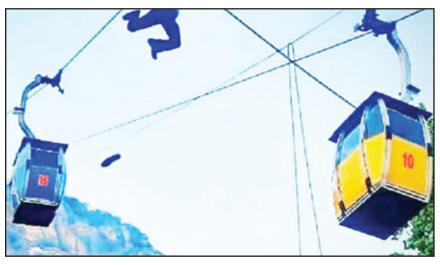

हादसे पर झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डॉ रवि रंजन और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की बेंच ने स्वतः संज्ञान लिया था।झारखंड हाई कोर्ट इस मामले को स्वतः संज्ञान से जनहित याचिका में तब्दील कर सुनवाई कर रहा है। हाई कोर्ट ने इस मामले को लेकर सरकार से जवाब मांगा था।

जलाशयों और तालाबों पर अतिक्रमण मामले में सुनवाई

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में मंगलवार को रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण से संबंधित मामले की सुनवाई हुई। सभी पक्षों को सुनने और राज्य सरकार के जवाब के बाद कोर्ट ने यह याचिका निष्पादित कर दी है। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह छूट दी है कि अगर निगम और सरकार हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करती है तो दोबारा अवमानना याचिका दाखिल कर सकती है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि नदियों और तालाबों के आसपास से अतिक्रमण हटाया गया है और तालाब प्रदूषित न हो इसके लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। रांची के बड़ा तालाब और जिला के आसपास के जलस्त्रोतों को संरक्षित करने और इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। खुशबू कटारुका ने जनहित याचिका दायर की है।

हाईकोर्ट ने डीसी के आदेश को रद्द करने का आदेश बरकरार रखा

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की डबल बेंच ने 17 नवंबर 2022 को झारखंड हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा है। 17 नवंबर 2022 को झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ ने हेहल अंचल के बजरा मौजा की खाता 140 की जमीन के जमाबंदी रद्द करने का आदेश दिया था, जिसके विरुद्ध श्याम सिंह की ओर से लेटेस्ट पेटेंट अपील (एलपीए) दाखिल की गई थी। इससे पहले खुद को खाता 140 की भूमि का दावेदार बताने वाले चंदन कुमार ने वर्ष 2021 में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। रांची के तत्कालीन डीसी छवि रंजन ने सात एकड़ जमीन का 83 साल का लगान रसीद एक ही दिन काटने का आदेश दे दिया था, जिस जमीन के संबंध में हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया है। वह रांची शहर से करीब पांच किमी दूर हेहल अंचल की है। जमीन बजरा मौजा में स्थित है। जमीन का कुल रकवा सात एकड़ है। करोड़ों रुपये मूल्य की इस जमीन पर पुलिस की मौजूदगी में बाउंड्री हुई थी, जिसका भारी विरोध हुआ था। रजिस्ट्री होने के लगभग एक वर्ष बाद यह खुलासा हुआ है कि खाता 140 की जिस चर्चित भूमि का लगान निर्धारण के बिना रसीद निर्गत हुआ है, उसका मूल दस्तावेज ही रिकॉर्ड रूम में नहीं है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा- निवेशकों के डूबे धन की वापसी के लिए कोई कमेटी बनाई है या नहीं

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि निवेशकों के दावों के मद्देनजर उनके पक्ष में पैसा निर्गत करने को लेकर झारखंड में कोई कमेटी बनाई गई है या नहीं। अगर कमेटी बनाई गई है, तो इस कमेटी ने अब तक क्या कार्य किया है। इस पर स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई में दाखिल करे। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई नौ मई निर्धारित की है। चिटफंड घोटाला मामले में निवेशकों के डूबे पैसों की वापसी को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि ईडी और सीबीआई ने चिटफंड घोटाला में शामिल कई कंपनियों के संचालकों की संपत्ति एवं धन सीज की है। कई राज्यों में एक कमेटी बनाकर चिटफंड के शिकार लोगों को उनके डूबे पैसे वापस दिलाए जा रहे हैं। इसी तरह झारखंड में भी कमेटी बनाकर निवेशकों के डूबे पैसे को वापस दिलाया जाए।

संविदा के आधार पर सैप में 771 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड पुलिस ने 13 विभिन्न पदों में नियुक्तियों का विज्ञापन जारी किया है। जारी विज्ञापन के अनुसार 771 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। यह नियुक्ति स्पेशल एक्जिलेरी पुलिस के बटालियन 1 और 2 में होगी। इन पदों पर नियुक्ति के लिए एक्स आर्मी मैन आवेदन कर सकते हैं। पूरी नियुक्ति संविदा के आधार पर होगी। चयनित उम्मीदवारों को विधि व्यवस्था संभालने, नक्सल विरोधी अभियान को गति देने, राज्य के जिलों की सुरक्षा करने, औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षित रखने, थाना ओपी और टीओपी में सशस्त्र बल उपलब्ध कराने के काम में लगाया जाएगा।

कौन होंगे आवेदन के पात्र

दोनों बटालियन के लिए भारतीय थल सेना, जल सेना, वायु सेना से भूतपूर्व सुबेदार, मेजर, नायब सुबेदार, हवलदार, चालक सिपाही, लिपिक और रसोईया को दो वर्षों के लिए अनुबंध के आधार पर काम पर रखा जाएगा। इन्हें विशेष पुलिस पदाधिकारी (रढड) का पावर मिलेगा। लिपिक, हवलदार सामान्य और चालक, सिपाही सामान्य व चालक को 20 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य को 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। चयनीत उम्मीदवारों को वेतन के रूप में पैसे का भुगतान एक मुश्त राशि के रूप में किया जाएगा। मानेदय में प्रतिवर्ष आठ प्रतिशत राशि स्वतः बढ़ेगी। सैप के दोनों बटालियन का कार्यकाल चार साल यानी 31.05.2027 के लिए किया गया है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए अगर झारखंड राज्य से भूतपूर्व सैनिक नहीं मिलते हैं तो दूसरे राज्य के भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जाएगी। चयनीत होने के बाद जवानों को एक साल में केवल 30 दिनों का अवकाश मिलेगा। टीए और डीए सरकारी ड्यूडी के दौरान नियमानुसार दिया जाएगा। ड्यूटी के दौरान अगर मृत्यू को जाती है तो शहीद के आश्रित को वहीं लाभ दिया जाएगा जो झारखंड पुलिस के जवानों को दिया जाता है।

दिनदहाड़े चोरी करने वाले पांच अपराधी धराए मोबाइल, लैपटॉप सहित कई जेवरात बरामद

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

रांची में दिनदहाड़े घर में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने एक अन्य सोना व्यवसायी को भी गिरफ्तार किया है जो इनसे चोरी का समान खरीदता था। बता दें कि बीते 29 मार्च को इन आरोपियों के द्वारा बरियातू थाना क्षेत्र में घटना को अंजाम दिया गया था। रिवर व्यू कॉलोनी बोडेया के रहने वाले सुबोध कुमार विश्वास के घर से 29 मार्च को दिनदहाड़े ताला तोड़कर लैपटॉप, मोबाईल, नकद एवं सोने एवं चांदी का जेवरात की चोरी की गयी थी।

गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देते रांची सिटी एसपी ● फोटोन न्यूज

रित्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में जांच टीम का गठन : इसके बाद मामले की जांच करते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की है। एसएसपी रांची किशोर कौशल और सिटी एसपी सुभांशु जैन के आदेश पर रित्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन किया गया। जांच करते हुए कांड में संलिप्त अपराधी राजु दोप्पो, अंकित तिकी, प्रशांत टोप्पो, राज टोप्पो एवं 5 चंदन सोनी को गिरफ्तार करते हुए इनके निशानदेही पर इस काण्ड में चोरी किया गया सामान मोबाईल लैपटॉप इत्यादि बरामद किया गया है।

एक सोना व्यवसायी भी गिरफ्तार : बता दें कि गिरफ्तार आरोपी संजु टोप्पो उम्र-22 वर्ष आरसंडे बोरिया अखराटोली कांके थाना का रहने वाला है, वहीं, अंकित तिर्की उम्र 18 साल तीनकोनिया बाजार बोरिया का ही रहने वाला है। प्रशांत टोप्पो बोरिया अखरा के पास का बताया जा रहा है और राज टोप्पो बोरिया तीन कोनीया नीचे टोली का रहने वाला है। इसी के साथ एक सोना व्यवसायी चंदन सोनी को भी चोरी के जेवरात करने खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया विरोध मार्च

जब तक भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित नहीं होती, जारी रहेगा आंदोलन : राष्ट्रीय युवा शक्ति

वरीय संवाददाता, रांची।

शहीद ए आजम भगत सिंह की 28 फीट की प्रतिमा को स्थापित होने से पहले ही जिला प्रशासन द्वारा हटा दिए जाने के विरोध में राष्ट्रीय युवा शक्ति ने जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विरोध मार्च निकाला। राष्ट्रीय युवा शक्ति का कहना है कि 1931 में भगत सिंह को ब्रिटिश सेना द्वारा फांसी पर चढ़ाया गया था, लेकिन आजाद भारत में दूसरी बार भगत सिंह को क्रेन में लटकाया गया है, जो प्रशासन की तानाशाही को दर्शाता है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के अध्यक्ष

अल्बर्ट एक्का चौक पर विरोध मार्च में शामिल प्रदर्शनकारी ● फोटोन न्यूज

उत्तम यादव और संरक्षक पंकज पांडे ने कहा कि प्रशासन जब तक पूरे सम्मान के साथ भगत सिंह की प्रतिमा को स्थापित नहीं करता, तब तक उनका आंदोलन चलता रहेगा। इसकी शुरूआत इस विरोध मार्च से हो गयी है। प्रशासन ने पूरे सम्मान के साथ प्रतिमा को नहीं लगवाया, तो उग्र आंदोलन होगा।

मोरहाबादी मैदान में स्थापित होनी थी प्रतिमा

बता दें कि पिछले दिनों सरदार भगत सिंह की प्रतिमा रांची के मोरहाबादी मैदान में स्थापित होनी थी। राष्ट्रीय युवा शक्ति इसके लिए पिछले एक साल से काम कर रही थी और शहीद भगत सिंह के गांव से मिट्टी तक मंगाई गयी थी। कोलकाता से भगत सिंह की 28 फीट की प्रतिमा भी आ गयी थी। बस उसे स्थापित करना बाकी था। लेकिन उसके ठीक पहले प्रशासन ने प्रतिमा को क्रेन से यह कहते हुए हटा दिया कि इसकी अनुमति नहीं मिली है।

राष्ट्रीय युवा शक्ति के सभी सदस्यों ने भगत सिंह की तस्वीर को अपने सीने पर लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसमें मुख्य रूप से प्रधान महासचिव दिलीप गुप्ता, राहुल चौधरी, सावन लिंडा, नितेश वर्मा, संदीप मुखर्जी, सूरज झाडाई, प्रशांत बजाज, राजू तनेजा, प्रीति सिन्हा जयसवाल, आर्यन मेहता, रोहित यादव, मनु चौधरी, सनी माथुर, विक्की कच्छप, छोटू यादव, विकास साहू, सहित सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए।

2223 करोड़ रुपये मनरेगा मजदूरों को किया गया भुगतान : चंद्रशेखर

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड में बीते वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा से मजदूरी भुगतान के लिए 2223.82 करोड़ रुपये राशि का भुगतान किया गया है। वहीं, सामग्री एवं प्रशासनिक मद में 715.33 करोड़ रुपये खर्च किए गये। ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने मनरेगा योजना की समीक्षा की जिसमें ये बातें सामने आयी। विगत वित्तीय वर्ष में 900 लाख मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित था। जिसके विरूद्ध राज्य ने 915.42 लाख मानव दिवस सृजित किया। वहीं, मनरेगा के तहत सृजित किए गए मानव दिवस में 47.53 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी रही है। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा संचालित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत 47855 आवास निर्माण का लक्ष्य है। इनमें से 39836 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जो कि लक्ष्य का 83 प्रतिशत है। योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि मनरेगा एक बहुआयामी योजना है, जिसके अंतर्गत रोजगार, आवास, पेयजल, महिला सशक्तिकरण, सिंचाई, सड़क, पौधरोपण इत्यादि से संबंधित कई योजनाओं का संचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कई योजनाओं का समेकित स्वरूप है। इस योजना से ग्रामीण इलाके की एक बड़ी आबादी को फायदा पहुंचाया जा सकता है। ऐसे में मनरेगा से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर और योजनाबद्ध तरीके से होना चाहिए। उन्होंने मानव दिवस सृजित करने पर ज्यादा फोकस करने को कहा ताकि ग्रामीण इलाके में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सके। सचिव ने बिरसा हरित ग्राम योजना के लिए जिलास्तर पर नर्सरी बनाई जाएगी।

फर्जी चालान दिखा गिट्टी लदे वाहनों का परिवहन करने वाले चार गिरफ्तार

गिरफ्तार अपराधी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, दुमका।

पुलिस ने फर्जी चालान के माध्यम से खनिज संपदा को बाहर भेजने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। प्रेसवार्ता में एसडीपीओ सदर नूर मुस्तफा अंसारी ने बताया कि उपायुक्त रविशंकर शुक्ला के निर्देश पर एसडीओ कौशल कुमार, डीएमओ कृष्ण कुमार किस्कू औ? एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी एक मामले की जांच के लिए दिग्घी पहुंचे थे। रिंग रोड पर एक स्टोन चिप्स लोड ट्रक के चालक आलोक कुमार से अधिकारियों ने चालान की मांग की।

चालक द्वारा प्रस्तुत परिवहन चालान को डीएमओ ने जब जांच की तो वह फर्जी निकला। चालक को गिरफ्तार करते हुए पुलिस मुफस्सिल थाना में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई। बिहार के लखीसराय जिले के बरहिया थाना क्षेत्र के डुमरी गांव का रहने वाला चालक आलोक कुमार के निशानदेही पर पुलिस काठीकुंड थाना क्षेत्र से लखन पाल, परमेश्वर मंडल और दिवाकर कुमार को गिरफ्तार करने में सफल रही। एसडीपीओ ने बताया कि मोबाइल ऐप के माध्यम से फर्जी चालान निर्गत कर एजेंट के माध्यम से ट्रक चालकों को उपलब्ध कराया जाता था।

सड़क दुर्घटना में एक घायल

भुरकुंडा रामगढ़।

भदानीनगर ओपी क्षेत्र के महुआ टोला फोरलेन पर मंगलवार को ट्रैक्टर ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया। घटना में बाइक सवार पिरी बस्ती निवासी अशरफ हुसैन घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार बाइक सवार अशरफ हुसैन अपने घर बरकाकाना से पतरातू की ओर आ रहा था। इसी कर्म में एक ट्रैक्टर ने पीछे से धक्का मार दिया। दुर्घटना के बाद घायल अशरफ को स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है। सूचना के बाद भदानीनगर पुलिस ने ट्रैक्टर और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है।

खूंटी जिले के सभी प्रखंडों में ढाई ढाई करोड़ की लागत से बनेंगे पार्क

संवाददाता, खूंटी।

लोगों के बेहतर स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए खूंटी जिले के सभी छह प्रखंडों खूंटी, तोरपा, कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की में दो-दो एकड़ में पार्क बनाए जाएंगे। एक पार्क बनाने में ढाई लाख रुपये की लागत आएगी। इस संबंध में उपायुक्त शशि रंजन ने बताया कि सभी प्रखंडों में पार्क बनाने की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। बहुत जल्द इसके लिए निविदा प्रकाशित की जाएगी। सभी पार्क में जिम, ओपर बैडमिंटन कोट, पुस्तकालय और सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पार्क बनाने के लिए सभी प्रखंडों में जमीन चिह्नित कर ली गई है। ईश्वर ने खूंटी जिले को प्राकृतिक सुंदरता से खूब सजाया है। यहां पेरवांघाघ, रांनी फॉल, रिमिक्स फॉल, पंचघाघ, पाड़ी पुड़िंग, उलूंग सहित कई खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं, जहां सालों भर सैलानियों की भीड़ उमड़ती रहती है। इसके अलावा लतरातू, लटरजंग डैम सहित कई मानव निर्मित पर्यटन स्थल हैं, जो सैलानियों को हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं और जिला प्रशासन इन सभी पर्यटन स्थलों के विकास के लिए लगातार काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और जिले को राजस्व भी मिलेगा। डीसी ने कहा कि फिलहाल खूंटी के पर्यटन स्थलों पर ठहरने की सुविधाओं की कमी है, जिसे दूर करने के लिए जिला प्रशासन काम कर रहा है। खूंटी के तमाड़ रोड स्थित पुराने बस स्टैंड में पर्यटकों की सुविधा के लिए होटल का निर्माण कराया जाएगा।

छात्रा अन्विता प्रियम को कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव ने किया सम्मानित

संवाददाता, हजारीबाग।

संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह में अपने संबोधन से पूरे देश को आंबेडकर के जीवन मूल्यों का पाठ पढ़ाने वाली विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की छात्रा अन्विता प्रियम को कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ जानी रुफीना तिर्की, शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ विनोद रंजन एवं नेहरु युवा केंद्र हजारीबाग के जिला युवा अधिकारी रूद्र शेखर ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया।

इस मौके पर कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव ने अन्विता को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का गौरव विद्यार्थियों से ही होता है। प्रतिभा व परिश्रम के संगम से ही लोगों में प्रभाव छोड़ा जा सकता है। अन्विता की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को प्रेरणा मिलेगी। डॉ जानी रुफीना तिर्की ने कहा कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की लड़कियां विश्वविद्यालय के साथ साथ पूरे झारखंड को गौरवान्वित कर रही हैं। अन्विता ने नारी अबला नहीं सबला है, कथन को सिद्ध कर दिखाया है। शिक्षा निदेशक डॉ विनोद रंजन ने निरंतर व दृढ़ निश्चय के साथ किए गए मेहनत को ही अन्विता के सफलता का कारण बताया। पूर्व में भी शिक्षा विभाग के कई छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने का काम किया है। ऐसे विद्यार्थियों को विभाग द्वारा निरंतर सहयोग व प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। नेहरु युवा केंद्र हजारीबाग के जिला अधिकारी रुद्र शेखर ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि बीते एक साल में ही नेहरु युवा केंद्र हजारीबाग की नुपुर माला, रूचि कुमारी, मुस्कान कुमारी सिन्हा और अन्विता प्रियम को संसद भवन में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, जो नेहरु युवा केंद्र हजारीबाग के लिए बड़ी उपलब्धि है।

छात्रा को सम्मानित करते कुलपति। ● द फोटोन न्यूज

रीवर साईड–गिद्दी पुल निर्माण को ले गणमान्य एवं प्रबुद्ध लोगों की हुई बैठक

नये पुल का जल्द निर्माण नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

भुरकुंडा (रामगढ़)।

रिवर साइड भुरकुंडा एवं गिद्दी ए के बिच दामोदर नदी पर अवस्थित पुल की जर्जर स्थिति हो जाने के कारण बड़ी दुर्घटना की संभावना से बचाव हेतु नए पुल का निर्माण को ले बुध बाजार हाट में गणमान्य एवं प्रबुद्ध लोगों की बैठक हुई।

बैठक में शामिल राजनीतिक एवं सामाजिक दल के कार्यकर्ता व आमजनो ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि उक्त पुल की वर्तमान गंभीर स्थिति की जानकारी देते हुए नए पुल का निर्माण हेतु अभिलंब संयुक्त रूप से उपायुक्त रामगढ़, स्थानीय सांसद, विधायक, सीसीएल प्रबंधन सहित माननीय मुख्यमंत्री को आवेदन दी जाएगी। अगर तत्काल नए पुल का निर्माण कार्य आरंभ नहीं किया गया तो क्रमागत आंदोलन करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में उपस्थित लोग। ● द फोटोन न्यूज

बैठक में सीसीएल प्रबंधन से अपील कि गई कि जब तक नए पुल का निर्माण नहीं होता है तब तक कोयले एवं अन्य भारी ट्रांसपोर्टिंग का कार्य तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। मौके पर लव कुमार महतो, रमाशंकर पांडेय, पीडी सिंह, संतोष यादव, विश्वरंजन सिन्हा, विजय कुमार, भोला कुशवाहा, विनोद सिंह, शैलेंद्र कुमार झा, शंभू सिंह, धनराज ठाकुर, भूपेंद्र सिंह, भीम कुमार, मोनू झा, लखन मेहता, मनोज कुमार सिंह, मनोज कुमार अम्बष्टा, रूपेश कुमार सिंह, सूरज कुमार पासवान, सुरेंद्र प्रसाद, संजय पासवान, अनवर अंसारी, अभिजीत कुमार, जय प्रकाश पाण्डेय, रुस्तम राम, अशोक कुमार, राजू मल्होत्रा, मो. चांद, उदय रजक, राजकुमार महतो, तरसेम सिंह, गया साव, जानकी ठाकुर, गुड्डू पाण्डेय, अनिल, मनोज कुमार, सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

चिपको आंदोलन : गोपालीचक में पेड़ काटने आए अधिकारियों को ग्रामीणों ने खदेड़ा

संवाददाता, धनबाद।

धनबाद में पेड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए यहां के लोगों की ओर से किए जा रहे चिपको आंदोलन का भी बीसीसीएल के अधिकारियों पर असर नहीं हो रहा है। इससे लोगों में अब बीसीसीएल के प्रति आक्रोश पनपने लगा है। एक ऐसा ही नजारा मंगलवार को देखने को मिला। दरअसल माइनिंग के लिए बीसीसीएल के सुरक्षा बलों और अधिकारियों की देख रेख में हो रही पेड़ों की कटाई को स्थानीय लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। सैकड़ो महिला, पुरुष एवं बच्चों ने जंगल की कटाई कर रहे बीसीसीएल कर्मियों, अधिकारियों एवं उनकी सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों को उल्टे पाव लौटने पर विवश कर दिया। इस विरोध की वजह से एक बार पुनः सैकड़ों पेड़ कटने से बच गए।

धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र स्थित गोपालीचौक के 13 नम्बर से 17 नंबर के बीच स्थित एक किलोमीटर तक फैले हरे भरे जंगल को काटने पहुंची बीसीसीएल की टीम का स्थानीय लोगों ने खुलकर विरोध किया। मौके पर उमड़ी लोगों की भीड़ ने न सिर्फ सड़क पर उतर कर इसके खिलाफ नारेबाजी की, बल्कि उग्र रूप अपनाते हुए यहाँ के करीब 2 हजार पेड़ो को काटने पहुंची बीसीसीएल की टीम को यहां से बैरंग लौटने पर विवश कर दिया।

पेड़ काटने आए अधिकारियों को खदेड़ते ग्रामीण। ● द फोटोन न्यूज

बीसीसीएल पीबी एरिया प्रबन्धक ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग को पत्र भेज वन विभाग से यहां स्थित करीब दो हजार पेड़ो को काटने का आदेश प्राप्त किया है, ताकि यहां उत्खनन कर कोयला निकाला जा सके। जिसके बाद यहां की स्थानीय जनता एवं पर्यावरण प्रेमियों ने पेड़ो की होने वाली अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए चिपको आंदोलन शुरू किया था। जिसके तहत पिछले दिनों सैकड़ो महिला एवं बच्चों ने यहाँ के पेड़ों से चिपक कर पेड़ो को कटने से बचाया था।

आज एक बार पुनः बीसीसीएल पूरे ताम झाम के साथ यहां स्थित पेड़ो को काटने के लिए पहुंची थी। कुछ पेड़ों को बीसीसीएल द्वारा काटा भी गया। लेकिन जैसे ही इसकी सूचना लोगों को मिली लोग मौके पर जुट गए और अपना विरोध जताते हुए बीसीसीएल की टीम को यहां से चलता कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धनबाद में प्रदूषण चरम पर हैं। ऐसे में पेड़ो की कटाई उचित नही हैं। यदि बीसीसीएल को कोयले का उत्खनन करना ही है तो वह अंडरग्राउंड माइनिंग करे, न कि पेड़ों की कटाई कर पर्यावरण को नुकशान पहुंचाए।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस की टीम ने किसी तरह लोगों को समझाबुझा कर शांत कराया और इसपर वार्ता कर इसका हल निकालने का आश्वासन दिया। तब जाकर लोग शांत हुए और बीसीसीएल की टीम को वहां से चलता किया।

प्रखंड कार्यालय में मुखिया संघ की हुई बैठक

जन कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक में उपस्थित मुखिया संघ के लोग। ● द फोटोन न्यूज

भुरकुंडा (रामगढ़)।

प्रखंड कार्यालय पतरातू में मंगलवार को मुखिया संघ की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अभय कुमार एवं संचालन किशोर महतो ने किया। बैठक में जन समस्याओं को लेकर प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

इस दौरान जन समस्याओं को लेकर विभागों द्वारा उदासीनता, जनहित के कार्य में स्थिरता, जन कल्याण योजनाओं में पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही नव पदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो से औपचारिक मुलाकात कर उनका स्वागत किया।

मौके पर पतरातू प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष अभय कुमार, उपाध्यक्ष किशोर महतो, राम नारायण कुमार, गिरजेश कुमार, व्यास पांडेय, विकास पांडेय, नूतन सिंह, कोमिला देवी, जगदीश साव, तिलेश्वर साहू, प्रेमनाथ बेदिया, वीरेंद्र कुमार झा, लव कुमार महतो, अजय पासवान आदि मुखिया मौजूद थे।

अफीम के लिए बदनाम खूंटी में हो रही तरबूज, खीरा और परवल की खेती

तरबूज उत्पादन का हब बनता जा रहा खूंटी

संवाददाता, खूंटी।

एक समय था जब तरबूज की खेती सिर्फ बिहार में ही होती थी। गांव-देहात के लोग जब रांची या अन्य किसी बड़ शहरों में जाते थे, तो तरबूज खरीद कर लाते थे, लेकिन अब खूंटी जिला तरबूज उत्पदान का हब बनता जा रहा है।

खूंटी जिला अफीम और गांजा की खेती के लिए बदनाम था, आज वहीं खेतों में तरबूज और खीरा की फसलें लहलहा रही हैं। कुछ साल तक अफीम की खेती कर पैसै कमाने वाले मुरहू प्रखंड के एक किसान बताते हैं कि अफीम की खेती में जितनी कमाई होती है, उतनी कमाई तरबूज और खीरा की खेती से ही हो जाती है। उन्होंने कहा कि अफीम से समाज पर बहूत खराब पड़ता है और पुलिस का लफड़ा अलग रहता है। इसलिए उसने अफीम की खेती छोड़कर तरबूज की खेती पर हाथ आजमाया है। उन्होंने कहा कि तरबूज के साथ ही वह अपने खेत में परवल की भी खेती कर रहा है।

खेतों में बिखरे तरबूज को बाहर भेजते किसान। ● द फोटोन न्यूज

तोरपा प्रखंड के सुंदारी गांव में तरबूज की खेती करने वाले हीरालाल साहू बताते हैं कि इस वर्ष खूंटी जिले के तोरपा, खूंटी, कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की प्रखंड में लगभग साढ़े चार हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में तरबूज की खेती की गई है।

कर्रा प्रखंड के युवा किसान गणेश महतो बताते हैं कि एक किसान तरबूज की खेती से तीन महीने में औसतन दो लाख रुपये की कमाई कर लेता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान तरबूज उत्पादक किसानों को बाजार नहीं मिलने के कारण काफी नुकसान हुआ है, लेकिन इस बार खेती भी बंपर हुई है और बाजार भी अच्छा मिला है। मौसम ने भी इस बार तरबूज उत्पादक किसानों का अच्छा साथ दिया है। कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग गांव के युवा किसान साकेत कुमार शर्मा बताते हैं कि खूंटी जिले कें तरबूज बड़े-बड़े वाहनों से रांची, खूंटी, कोलकाता, राउरकेला, संबलपुर से लेकर नेपाल तक भेजे जाते हैं।

व्यापारी किसानों के खेत में ही आकर तरबूज की खरीदारी कर रहे हैं। इस बार तरबूज की मांग काफी अच्छी है और कीमत भी अच्छी मिल रही है। किसानों को खेत से ही गोल तरबूज की कीमत सात रुपये प्रति किलो और लंबा किरण प्रजाति के तरबूज की कीमत नौ से दस रुपये प्रति किलो मिल रही है।

नई किस्म के इंग्लिश खीरा और परवल की खेती आधुनिक मचान तरीके से करना किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहा है। सिजेंटा फाउडेशन के सहयोग और प्रेरणा से तोरपा के किसानों ने पहली बार मचान विधि से खीरा की खेती की है। आधुनिक तरीके से इंग्लिश खीरा और परवल की जैविक खेती करने से किसानों को काफी लाभ हुआ है।

तोरपा प्रखंड के डांड़टोली गांव की महिला किसान शबनम टोपनो ने पहली बार छह डिसमिल खेत में इंग्लिश कुकुम्बर की खेती की है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी खीरा की बाजार में काफी मांग है। एक पौधे से पांच से सात किलो खीरा का उत्पादन होता है। सिजेंटा फाउंडेशन के रंजीत वर्मा बताते हैं कि पहली बार प्रायोगिक तौर पर किसानों ने इंग्लिश कुकुम्बर की खेती की है और इससे उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया सामान्य खीरा तोड़ने के दो तीन दिनों के अंदर खराब हो जाते हैं, पर अंग्रेजी खीरा आठ-दस दिनों तक खराब नहीं होता। इसके कारण बाजार में इसकी काफी मांग है।

ब्रीफ न्यूज

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भुरकुंडा में हुई बैठक, समस्याओं व कामकाज पर हुई चर्चा

भुरकुंडा (रामगढ़) : भुरकुंडा बाजार में मंगलवार को रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नव मनोनित कार्यकारिणी सदस्य दिलीप अग्रवाल व संचालन दीपक प्रसाद ने किया। बैठक में मुख्य रूप से रामगढ चैंबर के निवर्तमान उपसचिव सह वरिष्ठ समाजसेवी विनय कुमार सिंह व निवर्तमान मनोनित कार्यकारिणी सदस्य श्याम किशोर सिंह उपस्थित थें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने विनय कुमार सिंह और श्याम किशोर सिंह को अंग वस्त्र ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया। इसके बाद चैंबर सदस्यो द्वारा पतरातू प्रखंड से नव मनोनित कार्यकारिणी सदस्य दिलीप अग्रवाल को नये सत्र के प्रभार लेने हेतु अंग वस्त्र व माला पहनाकर स्वागत करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दी गई। बैठक में उपस्थित सभी चैंबर सदस्यो ने स्थानीय समस्याओं व कामकाज पर अपने-अपने विचार रखे। साथ ही आगे इस विषय पर पहल हेतु अपनी बातो को ध्यानाकर्षित किया। मौके पर सुनील कुमार सिंह, शिव कुमार गुप्ता, अशोक चैहान, राम कुमार सिंह, अशोक कुमार, अजय गोयल, संजय कुमार, जय प्रकाश सिंह, जीवन गुप्ता, दिनेश राजगढ़िया, बसंत लाल सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने सुनी जनता की समस्याएं, जल्द निष्पादन के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

रामगढ़ : मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, रोजगार, विकास कार्यों, शिक्षा, विभिन्न योजनाओं के लाभ सहित अपनी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कृमि दिवस को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

खूंटी : राष्ट्रीय कृमि दिवस की तैयारी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एविडेंस संस्था के प्रशिक्षक नीरज कुमार सिंह और प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ शकील अहमद ने उन्हें प्रशिक्षण दिया। कृमि दिवस के मौके पर 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरो को आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में कृमि मुक्ति दवा एल्बेंडाजोल खिलाने को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। कृमि मुक्ति दिवस 20 अप्रैल को मनाया जाएगा। इसके साथ ही अगले पांच दिनों तक बच्चों और किशोरों को कृमि निरोधी दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण में कर्रा प्रखंड की 210 आंगनबाड़ी सेविका और 176 शिक्षकों ने भाग लिया।

प्रखंड कार्यालय चितरपुर में विधायक कक्ष का हुआ उद्घाटन

रजरप्पा : चितरपुर प्रखंड कार्यालय चितरपुर में विधायक कक्ष का उदघाटन विधायक सुनीता चौधरी ने फीता काटकर किया. मौके पर विधायक ने कहा कि आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विधायक कक्ष का उदघाटन किया गया है. विधायक प्रतिनिधि और आजसू पार्टी के प्रखंड स्तर से लेकर साधारण कार्यकर्ता आम जनता की समस्या को मुझ तक पहुंचाने के लिए इस कक्ष में हमेशा मौजुद रहेगें और ग्राम पंचायत, प्रखंड एव जिला स्तर की सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्पादन किया जायेगा। इससे पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने विधायक को बुके देकर स्वागत किया. मौके पर सीओ, अनिल महतो, ब्रह्मनंद पाठक, नेमचंद करमाली, रविंद्र महतो, आजसू के वरिष्ठ नेता अमृतलाल मुंडा, मुखिया अरविंद कुमार सिंह, अशोक राम बेदिया, सतीश महतो, ओमप्रकाश चौधरी, घनश्याम महतो आदि लोग मौजूद थे।

नहर में पलटी वैन, चालक की मौत

मेदिनीनगर : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सरसोत पंचायत के लुकुवा गांव के समीप मंगलवार को एक पिकअप वैन असंतुलित होकर नहर में पलट गई। इस दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के बलरामपुर निवासी चालक दीपलेश अगरिया (21) वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पथरा ओपी प्रभारी नीतीश कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जेसीबी की मदद से पिकअप से दबे चालक के शव को बाहर निकाला। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को अंत्यपरीक्षण के लिए मेदिनीनगर भेज दिया है।

नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को 14 वर्ष का सश्रम कारावास

कोडरमा : हिंदू नाबालिग लड़की का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन करने और निकाह कर दुष्कर्म किए जाने के मामले में आरोपित को कोर्ट ने 14 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर जुमार्ना भी लगाया है। मंगलवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की कोर्ट ने आरोपित रिंकू अंसारी पुत्र गुलाम मुस्तफा, सौदागर मोहल्ला पोस्ट भौरा धनबाद को दुष्कर्म मामले में दोषी मानते हुए 14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपित पर 25 हजार जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 1 वर्ष अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी।

रामगढ़ में सीआईएसएफ के दो कांस्टेबल को वाहन ने रौंदा, मौत

रामगढ़ (झारखंड) : रामगढ़ शहर के पतरातू थाना क्षेत्र में सोमवार रात सड़क पर पैदल जा रहे सीआईएसएफ के दो कांस्टेबल को एक वाहन ने रौंद दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर सिपाहियों के साथ पहुंचे पतरातू थाना प्रभारी ने दोनों को पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक यह हादसा पीटीपीएस के पथ संख्या चार के पास मुख्य सड़क पर हुआ। मृतकों की पहचान पीवीयूएनएल सीआईएसएफ यूनिट के कांस्टेबल धर्मपाल और अरविंद एम के रूप में हुई है। दोनों केरल के रहने वाले हैं। इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई।

मां छिन्नमस्ता इंटर कॉलेज के संस्थापक की 21वीं पुण्यतिथि मनाई गई

गोला : मां छिन्नमस्ता इंटर कॉलेज गोला के संस्थापक सचिव स्व. रिखेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ रिखु बाबू की पुण्यतिथि मंगलवार को महाविद्यालय परिसर में मनाई गई। उनके पौत्र सह कॉलेज के सचिव सुजीत सिन्हा ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य भोला महथा, वरीय व्याख्याता आशीष कुमार मिश्रा, प्रभात कुमार, संजीव कुमार सिन्हा, महरु रजवार एवं दिलीप रजवार मौजूद थे।

जिला स्वास्थ्य समिति के जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन का आयोजन

खूंटी : जिला स्वास्थ समिति खूंटी के तत्वावधान में नगर भवन खूंटी में मंगलवार को जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, नगर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन पाहन और सिविल सर्जन डॉ अजीत खलखो ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। मंच का संचालन डीपीसी डॉ उदयन शर्मा ने किया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि कोविड-19 के तहत घर-घर सर्वे कराना थोड़ा मुश्किल था। सभी को ऐसे मुश्किल समय में सर्वे करेगा कौन, यह सबसे बड़ी चिंता का विषय था, लेकिन ऐसी विषम परिस्थिति में बहुत ही कम संसाधन में सहिया बहनों ने इसे कर दिखाया, जो वास्तव में काबिले तारीफ है।

पति के घर के बाहर जली पत्नी की लाश

मुजफ्फरपुर में पत्नी काजल की चिता उसके पति आकाश के घर के बाहर जली। मायके वाले काजल के शव के साथ अंतिम संस्कार का सामान लेकर आए थे। वो शव का अंतिम संस्कार आरोपी आकाश के घर के बाहर करने के लिए अड़े थे। इस दौरान काफी हंगामा भी हुआ ।ठ बता दें कि आकाश ने ही अपनी पत्नी काजल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दहेज में 10 लाख कैश और महिन्द्रा थार गाड़ी नहीं मिलने पर पति (आकाश) ने रविवार को तीन गोली मारकर पत्नी (काजल) की हत्या कर दी थी। बेटी की हत्या से गुस्साए परिजन सोमवार की शाम अस्पताल से शव लेकर पति के दरवाजे पर पहुंच गए। भारी बवाल और हंगामे के बाद परिजनों ने काजल के शव को पति के घर सामने ही जला दिया। घटना मोतीपुर थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक पोस्टमॉर्टम के बाद काजल का शव उसके घर वालों के हवाले कर दिया गया। शव मिलने के बाद परिजन और गांव वाले आक्रोशित हो उठे। अस्पताल से आकाश का घर 20 किमी की दूरी पर है, जबकि आकाश के घर से काजल का घर 4 किमी दूर है। परिजन काजल के शव को मायके ना लेकर जाकर उसके ससुराल ले गए। लाश को पति आकाश के

दरवाजे पर रख कर अंतिम संस्कार कर डाला। जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ। आग की लपटों ने घर के पास के पीपल के पेड़ को भी अपनी चपेट में ले लिया था। आग बढ़ती देख थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने इलाके की बिजली कटवाई। फिर अग्निशमन टीम को तत्काल बुलाकर आग पर काबू पाया गया। दरअसल काजल और आकाश दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। 2 साल के अफेयर के बाद दोनों की घर वालों की मर्जी से 14 नंवबर 2022 को दोनों की शादी हुई। काजल के घर वालों का कहना है कि शादी के वक्त एक कार, 10 लाख कैश और गहने गिफ्ट में दिए गए थे। काजल तीन महीने की गर्भवती थी। वहीं काजल का पति लगातार 20 लाख और थार गाड़ी की डिमांड कर रहा था। इसकी जानकारी लड़की बार-बार फोन पर देती थी। मां ने कहा कि इतनी बड़ी रकम देने में सक्षम नहीं थे। जिसके कारण उसने बेटी कीरविवार को हत्या कर दी। महवल निवासी पति आकाश कुमार, ससुर विजय महतो, सास राजपति देवी, ननद प्रिया कुमारी उर्फ बुच्ची कुमारी, बरूराज थाना क्षेत्र के बरूराज निवासी आकाश कुमार के दोस्त विशाल कुमार और चंद्रशेखर कुमार को आरोपी बनाया है। मुजफ्फरपुर में एक पति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। 2 साल के अफेयर के बाद 6 महीने पहले दोनों की शादी हुई थी। लड़की के परिवार का आरोप है कि पति 20 लाख कैश और स्कॉर्पियो की डिमांड कर रहा था। लड़की वालों ने शादी के वक्त 10 लाख कैश और कार दी थी। रविवार को पति अपने एक दोस्त के साथ घर पहुंचा और पत्नी को 3 गोलियां मारी। इसके बाद वो वहां से भाग गया। पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

थाने से 500 मीटर दूर 16 लाख की बैंक डकैती

जमुई में मंगलवार सुबह बैंक खुलते ही स्इक बैंक में 16 लाख की डकैती हुई है। चकाई थाने से महज 500 मीटर दूर करीब साढ़े 10 बजे 5 लोग बैंक के अंदर ग्राहक बनकर दाखिल हुए। अंदर का माहौल देखने के बाद सभी ने हथियार निकाले और कर्मचारियों को गन पॉइंट पर ले लिया। स्टाफ और कस्टमर्स को एक ओर खड़ा कर दिया। इसके बाद हथियार के बल पर कैश और ज्वेलरी का लॉकर खुलवाया। 20 मिनट के अंदर पूरी वारदात को अंजाम देकर सभी भाग निकले।

सुबह-सुबह कर्मचारियों ने चकाई स्इक बैंक को जैसे ही खोला। बाइक पर 5 लोग आए और बैंक के अंदर दाखिल हुए। 12 लाख का गोल्ड और 4 लाख कैश लेकर बदमाश फरार हो गए। डकैती करने के बाद सभी गिरिडीह की ओर भाग निकले। घटना की जानकारी के बाद चकाई थाने की पुलिस और एसडीपीओ रविशंकर प्रसाद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दे की कुछ दिन पहले ही जमुई एसपी शौर्य सुमन ने क्राइम कंट्रोल करने को लेकर टाउन थाने में एक बैठक बुलाई थी और उस बैठक में खासकर बैंक की सुरक्षा को लेकर चर्चा भी की थी। उसके बावजूद इस लूट की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। सारण के सोनपुर में पंजाब नेशनल बैंक में गुरुवार को दिनदहाड़े लूट हुई है। इस दौरान 5 बदमाशों ने होमगार्ड के 2 जवानों को गोली मार दी। इनमें एक की मौत मौके पर हो गई है। उसे सिर में गोली लगी है।

फख्र ए गजलगोई खिताब से नवाजे गए हिमांशु चक्रपाणि

औरंगाबाद। जिले के नवोदित साहित्यकार हिमांशु चक्रपाणि आजकल साहित्य जगत में धूम मचाए हुए हैं. इनके द्वारा रचित उर्दू और फारसी की कुछ गजलें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पुस्तक फख्र-ए- गजलगोई में स्थान पाई हैं। उक्त पुस्तक में दुनिया के दस देशों- अमेरिका, पाकिस्तान, दुबई, जर्मनी, मेलबर्न, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल एवं हिंदुस्तान के कुछ चुनिंदा गजलकारों की गजलें शामिल की गई हैं। पुस्तक में शामिल सबसे कम उम्र के गजलकार हिमांशु चक्रपाणि को अंजुमन पासबान-ए-हिंदुस्तान नामक संस्था द्वारा फख्र-ए-गजलगोई के खिताब से नवाजा गया। माननीय नितिन गडकरी (केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार) ने उक्त पुस्तक के संपादक को सम्मान पत्र प्रदान किया है। महज 20 साल का हिमांशु चक्रपाणि अब तक लगभग 50 गजलों की रचना कर चुके हैं जिनकी रचनाएं बड़े ही आदर के साथ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों में स्थान पा रही है। चक्रपाणि राष्ट्रीय स्तर की पंजीकृत साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' के पूर्व ज़िला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे बतलाते हैं कि यह उपलब्धि उनके

पूर्वजों का दिया हुआ उपहार है। अपनी खुशी का इजहार करते हुए चक्रपाणि ने कहा कि साहित्य में इनकी रुचि बचपन से ही थी परंतु मंच नहीं मिलने के कारण अपनी रचनाओं को प्रसारित नहीं कर पाते थे। इन्होंने बताया कि मैं अपने काव्यगुरु शहर के चर्चित साहित्यकार धनंजय जयपुरी जी का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे छंदों की बारीकियां सिखाईं एवं विभिन्न मंचों पर काव्य पाठ करने का अवसर प्रदान किया। अभिभावक सुदामा प्रसाद सिंह ने निरंतर मुझे प्रोत्साहित कर प्रगति की राह दिखलाई। हिमांशु चक्रपाणि की इस उपलब्धि पर औरंगाबाद के साहित्य जगत में खुशी का माहौल है।

एईएस से प्रभावित मरीजों के इलाज में न हो देरी - डीएम

मोतिहारी, 17 अप्रैल। जिले को एईएस के प्रभाव से बचाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा तैयारी की जा रही है। इसके मद्देनजर सोमवार को जिला समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा, आईसीडीएस, पंचायती राज, समेत अन्य विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने जिले में चमकी से बचाव व इलाज के संबंध में विभाग की तैयारी को लेकर सिविल सर्जन डॉ अंजनी कुमार, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी शरत चन्द्र शर्मा से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने चमकी के नियंत्रणार्थ जिला एवं पीएचसी स्तर पर चमकी प्रभावित बच्चों के इलाज व दवाओं के साथ चिकित्सकों को अलर्ट रहने का आदेश दिया।

गर्मी और लू लगने से बीमार हो रहे मरीज के बीच कांग्रेस नेता ने किया ओआरएस पाउडर एवं मिनरल वाटर का वितरण

ठंडा पानी की बोतले के साथ नींबू पानी का किया

औरंगाबाद : अस्पताल में मरीजों के लिए दवाइयों की पूरी तरीके से रखी जाए। चिलचिलाती धूप के साथ भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मी इतनी बढ़ गई है कि सड़क सन्नाटा हो जा रही है। धूप से घर से बाहर निकलने के लिए लोग परहेज कर रहे हैं। गर्मी और लू का असर सदर अस्पताल में इलाज कराने के लिए मरीज पहुंच रहे हैं जिसको लेकर सोमवार की सुबह से ही समाजसेवी वा कांग्रेस नेता मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने सदर अस्पताल में भर्ती मरीज के बीच ओआरएस का पाउडर, इलेक्ट्राल पाउडर के साथ मीरनल वाटर का एक लीटर पानी, नीबू पानी, लूज मौसम की विटामिन दवाइयां, मरीजों के साथ साथ उनके साथ आने वाले स्वजनों को भी दिया गया। जिले में मौसम में बदलाव के साथ ही लोग बीमारियों की गिरफ्त में आने लगे हैं। गर्मी, दूषित खानपान, पेय पदार्थों, पानी के असर से उल्टी-दस्त, बुखार, टायफाइड, सर्दी-जुकाम से परेशान मरीज अस्पताल पहुंचने शुरू हो गए हैं। गर्मी में तेजी आने के साथ ही अस्पताल का आउटडोर 400 को पार कर गया है। दिन-रात के तापमान में दोगुना अंतर, मौसम में उतार-चढ़ाव अगले पांच दिनों तक जारी रहेगा। इस दौरान दिन और रात के तापमान में दोगुना अंतर दिखेगा। इसका प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। कांग्रेसी नेता सल्लू खान ने डीएम सोहर्ष भगत को सदर अस्पताल की व्यवस्था को पूरी तरीके से अवगत कराया है। डीएम से मांग किया कि सदर अस्पताल का हिट स्टोक को लेकर स्वयं अपने स्तर से देख लिया जाए। डीएम से मांग करते हुए कहा कि सदर अस्पताल में ओपीडी में आने वाले मरीजों के लू के लक्षण कि जांच करने का निर्देश दिया जाए। वही ओपीडी में मरीजों के बैठने की उचित प्रबंध के साथ ठंडे पेयजल की व्यवस्था, वार्ड में वाटर कूलर, सदर अस्पताल में बेड की संख्या के साथ-साथ आने वाले अस्पताल परिसर में ठंडा पानी की व्यवस्था, लो हिट स्टॉक्स से संबंधित दवाएं एवं व्यवस्था करने मांग की। समाजसेवी संतोष कुमार सिंह, मो. अफरोज, उपेंद्र कुमार, मो. आबिद, प्रकाश कुमार सहित शामिल रहे।

सारण डीएम ने जींस में ऑफसि आने पर लगाया बैन

सारण के डीएम अमन समीर का हाल में जारी फरमान चर्चा का विषय बना हुआ है। उ्द ऑफिस में सोमवार को हुई कार्य संस्कृति की मीटिंग में जींस पहनने पर पाबंदी वाले निर्देश के बाद प्रशासनिक कर्मियों में हड़कंप है। जिला मुख्यालय सहित सभी अनुमंडल और प्रखंड कार्यालय में पहनावे पर आए आदेश को लेकर चर्चा है। जिलाधिकारी ने सभी कर्मचारियों को फॉर्मल कपड़े पहनकर आने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस बारे में डीएम से लेकर कर्मचारी तक कुछ बोलने को तैयार नहीं है। आज जिला मुख्यालय से लेकर अनुमंडल और प्रखंड कार्यालय के कर्मचारियों का पहनावा मिलाजुला रहा है। कुछ कर्मचारी फॉर्मल ड्रेस में थे तो कुछ जींस और टी-शर्ट में भी नजर आए। कर्मचारियों से पहनावे संबंधित सवाल पूछे जाने पर वह कैमरे से बचते नजर आए। मामले में दैनिक भास्कर से मोबाइल पर बात करते हुए उ्द अमन समीर ने कहा कि इस तरह की जानकारी के लिए जनसंपर्क से बातचीत करें। यह इतना प्रमुख मुद्दा नहीं है

कि इस पर बात की जाए। डीपीआरओ कन्हैया कुमार ने बताया कि इस तरह का कोई आदेश लिखित तौर पर जारी नहीं हुआ है। कार्य संस्कृति की मीटिंग के दौरान सभी कर्मियों को फॉर्मल और ऑफिशियल ड्रेस कोड में आने की सलाह दी गई थी। कहा गया है कि सभी कर्मचारियों को पूरी जानकारी के साथ परिचय पत्र लगाना अनिवार्य है। जींस, टी-शर्ट और पायजामा-कुर्ता ऑफिशियल ड्रेस में नहीं आता है। सभी लोगों को इस तरह के पहनावे से बचना चाहिए। जींस पहनने की मनाही पर कर्मियों से बातचीत की गई तो सभी से अलग-अलग तरह के जवाब मिले। मद्य निषेध विभाग में कार्यरत कर्मचारी रवि कुमार ने बताया कि अखबार के माध्यम से इस तरह की खबर की जानकारी मिली है। जिलाधिकारी के आदेश का पालन किया जाएगा। वैसे जींस ऑफिशियल ड्रेस में नहीं आता है। सभी कर्मचारियों को गलत पहनावा से बचना चाहिए। जिला ग्रामीण विकास कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी चंद्र भूषण कुमार ने बताया कि इस तरह के कोई लिखित आदेश की जानकारी नहीं मिली है। जिलाधिकारी के इस आदेश का स्वागत है। अधिकारी और कर्मचारी को कार्यालय संबंधित कार्यों के लिए फॉर्मल ड्रेस में रहना चाहिए।

संक्षिप्त -समाचार

मानदेय बढाने को ले आंगनवाड़ी कार्यकताओं का जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकताओं की मानदेय में बढ़ोतरी कराने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मोर्चा छत्तीसगढ़ द्वारा सोमवार को जंतर-मंतर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया।संगठन के प्रांतीय संयोजक देवेन्द्र पटेल ने आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की न्यूनतम मानदेय बढाकर 21000 प्रतिमाह करने,सरकारी वेतनमान की घोषणा करने,समाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन की व्यवस्था करने की मांग किया।कार्यकम में नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार शर्मा,राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष विद्यानंद चौधरी,राष्ट्रीय महासचिव रामायण पांडेय एलौन,दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल पांडेय,महिला कोषांग सचिव अमला कुमारी ने संगठन की मांगों को जायज बताते हुए इसे पुरा कराने में समर्थन एवं सहयोग देने की बातें कही।मौके पर सरिता पाठक, रुक्मिणी सज्जन,सन्तोषी वर्मा,कल्पना चंद, पिंकी ठाकुर,सुवित्रा मानिकपुरी, सन्तोषी यादव,कुमारनाथ झा सहित सैकड़ों कार्यकता एवं सहायिका उपस्थित थीं।

बच्चे अभिभावकों को याद दिला रहे चमकी के तीन धमकी

जिलाधिकारी की जिला स्तरीय कोर कमिटी की बैठक के बाद संबंधित विभाग चमकी बुखार पर जागरूकता फैलाने में और तेजी से जुट गया है। आंगनबाड़ी के बच्चों से लेकर सामुदायिक स्तर तक चमकी के तीन धमकी की गूंज सुनाई पड़ रही है। औराई प्रखंड के जानर गांव के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 55 सहित हर आंगनबाड़ी केंद्र का प्रत्येक बच्चा कविता की तरह चमकी की धमकी को रट चुका है। आशा और पंचायत प्रतिनिधि भी सामुदायिक स्तर पर जीरो से 15 साल तक के दंपत्तियों को चमकी पर जागरूक कर रहा है। सोमवार से शुरू हुए हैंड बिल वितरण के दौरान भी आशा और एएनएम घर घर जाकर हैंड बिल को पढ़ कर उसका वितरण कर रही है। जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ सतीश कुमार ने बताया कि इस बार जिले में कुल 20 (बीस) लाख हैण्डबिल, 30000 पोस्टर, 2250 कैलेण्डर, 2250 बैनर एवं 7000 स्टीकर राज्य स्तर से प्राप्त हो चुका है। जिसका वितरण किया जा रहा है। डॉ सतीश ने कहा कि पटना एम्स की टीम औराई में एईएस से ठीक हुए बच्चे का सैंपल लेने औराई के सिमरी गांव पहुंचीं जहां उन्होंने मो सरफराज से मिल उसका सैंपल लिया। इसके बाद सरफराज के सैंपल का एम्स पटना में एडवांस रिसर्च किया जाएगा। डॉ सतीश ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के बाद एईएस से ठीक हुए बच्चों से एक प्रश्नोत्तरी करवाई जा रही हैं जिसके बाद गैप असेसमेंट किया जाएगा। अभी तक हुए प्रश्नोत्तरी में सभी चमकी से ठीक हुए लोगों में पहले से चमकी के प्रति जानकारी थी।

चमकी से बचाव को लगायी जा रहीं हैं चौपाल

सीएस डॉ अंजनी कुमार ने बताया कि चमकी प्रभावितों के लिए पीएचसी, सदर और रेफरल स्तर पर उपचार की व्यवस्था की गयी है। पीएचसी में जहां दो बेड के स्पेशल एईएस वार्ड, सदर में दस बेड एवं पीकू वार्ड में भी इलाज की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि जिले में 3 चमकी के मरीज मिले जो इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। उन्होंने बताया चमकी प्रभवित प्रखंडों के साथ जिले के अन्य स्थानों पर चौपाल लगाकर स्वास्थ्य कर्मियों, आशा, आंगनबाड़ी तथा जीविका दीदीयों की भी मदद से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

गर्मियों में ज्यादातर चमकी के मामले देखे जाते हैं

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरत चँद्र शर्मा ने बताया कि चमकी से छः माह से 15 वर्ष तक के बच्चे प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि चमकी में पहले काफी तेज बुखार होता है। बुखार के साथ शरीर में ऐंठन व अकड़न होती है। इसके बाद शरीर के तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली गड़बड़ाने लगती है। तंत्रिका तंत्र के प्रभावित होने के कारण मानसिक भटकाव होने लगता है। इस बीमारी में ग्लूकोज के लेवल की कमी देखी जाती है। उन्होंने बताया कि चमकी होने पर सरकारी एम्बुलेंस से या प्राइवेट वाहन से सीधे नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचना चाहिए बिल्कुल भी देरी नहीं करनी चाहिए।

मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ाः नंदकिशोर

पटना, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक विकास की बयार बह रही है। लोग अमन-चैन से जीवन व्यतीत कर रहे हैं। हर तबका समृद्धि की राह पर है। श्री यादव ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में पीएम मोदी के नेतृत्व में जो विकास कार्य हुए हैं, वह अद्भुत और अचंभित करने वाला है। पूर्वोत्तर राज्यों का सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास हो रहा है। पूर्वोत्तर के राज्यों से अब कनेक्टिविटी सरल हुई है। सड़क और संचार के साधनों ने पूर्वोत्तर राज्यों को अब दिल्ली के दिल के करीब ला दिया है। श्री यादव ने कहा कि यह पूरा देश जानता है कि पूर्वोत्तर राज्य पीएम मोदी के दिल के करीब हैं और यह भी सार्वजनिक सत्य है कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर सहित पूरे देश की जनता की धड़कन हैं। श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में पूर्वोत्तर राज्य हमेशा उपेक्षित रहे। कांग्रेस ने पूर्वोत्तर में नफरत फैला कर सिर्फ वोट की राजनीति की। लेकिन, पूर्वोत्तर के लोग अब कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को समझ चुके हैं। इसलिए पूर्वोत्तर में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की समस्या

देश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की समस्या लंबे समय से जस की तस है। जेलों में बंद लगभग 78 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं। इन पर अपराध साबित नहीं हुआ है। न्यायालयों में इनके मामले लंबित हैं। कुछ ऐसे मामले भी हैं जिनमें आरोपितों का लंबा समय जेल में गुजर रहा है, केवल इसलिए कि उन्हें अभियोग पक्ष, जो आमतौर पर स्वयं राज्य होता है, उसकी याचिका पर जमानत नहीं मिलती। कई ऐसे मामले भी हैं जिनमें आरोपित अपने पक्ष में वकील करने में सक्षम नहीं होता है या वह अपनी जमानती रकम का इंतजाम नहीं कर पाते, परिणामस्वरूप वह जेल में ही विचाराधीन कैदी बना रहता है। अब सवाल यह उठता है कि ऐसे विचाराधीन कैदी जो लंबे समय से जेल में केवल कमजोर और लचर न्याय व्यवस्था के कारण बंद हैं, और अपराधी की तरह जीवन जीने का मजबूर हैं, इसकी जवाबदेही किसकी है? ऐसा तब है जब सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर जेलों में बढ़ती कैदियों की संख्या पर चिंता जताता रहा है। अदालत ने यहां तक कहा है कि अंधाधुंध गिरफ्तारी से लेकर जमानत हासिल करने में आ रही मुश्किलों की वजह से विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक कैद में रखने की प्रक्रिया पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार जेल में बंद 68 प्रतिशत विचाराधीन कैदी या तो अनपढ़ थे या उन्होंने बीच में ही स्कूल छोड़ दिया था। लगभग 73 प्रतिशत विचाराधीन कैदी दलित, जनजातीय तथा अन्य पिछड़ा वर्गों के थे, जबकि 20 प्रतिशत मुस्लिम थे। सर्वाधिक विचाराधीन कैदी जिन राज्यों में हैं उनमें शीर्ष पांच में दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, बिहार, पंजाब तथा ओडिशा हैं। इनके अलावा दूसरे राज्यों की जेलों में भी यही हाल है। भारत की जेलों में बंद केवल 22 प्रतिशत लोग ही सजायाफ्ता अपराधी हैं, जबकि लगभग 77 प्रतिशत बंदी विचाराधीन हैं। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2022 में जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखने पर चिंता जताई गई है। मध्य प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और अंडमान निकोबार द्वीप समूह की जेलों में विचाराधीन बंदियों की संख्या 60 प्रतिशत से कम है। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय और पुडुचेरी को छोड़ हर राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश में विचाराधीन कैदियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया 2021 के अनुसार, वर्ष 2016 से 2021 के बीच जेलों में बंदियों की संख्या में 9.5 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि विचाराधीन कैदियों की संख्या में 45.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार चार में से तीन कैदी विचाराधीन हैं। 31 दिसंबर, 2021 तक लगभग 80 प्रतिशत कैदियों को एक वर्ष तक की अवधि के लिए जेलों में बंद रखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में रिहा किए गए 95 प्रतिशत विचाराधीन कैदियों को न्यायालयों ने जमानत दी थी, जबकि न्यायालय द्वारा बरी किए जाने पर 1.6 प्रतिशत को रिहा किया गया था।

शराब के खिलाफ

बिहार में जहरीली शराब पीने से मौत होने पर पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपये के मुआवजे का एलान स्वागत-योग्य होने के साथ ही विचारणीय भी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह घोषणा की है और ऐसी मांग पहले से होती आई है। हालांकि, इसके पहले खुद मुख्यमंत्री ने सख्ती से कहा था कि शराब पीकर मरने वालों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा, पीओगे, तो मरोगे। नैतिकता संबंधी प्रश्न भी उठे थे कि गलत काम के लिए मुआवजा क्यों दिया जाए, लेकिन अब सरकार का जो नया कल्याणकारी रूप सामने आया है, उसके अनेक सकारात्मक निहितार्थ हैं। हालांकि, यहां भी शराबबंदी के प्रति नीतीश कुमार की दृढ़ता और मंशा स्पष्ट है। यह मुआवजा आसानी से नहीं मिलेगा। इसके लिए मृतक के परिजनों को एक तरह से संकल्प या शपथ लेने की जरूरत पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि चार लाख रुपये दिए जाएंगे, मगर मृतक के परिजनों को यह लिखकर देना होगा कि मरने वाले व्यक्ति ने शराब पी थी। उसने कहां से शराब ली थी, उसका नाम और पता भी देना होगा। साथ ही, उसे यह भी लिखना होगा कि शराबबंदी बहुत अच्छी चीज है। हम इसका समर्थन करते हैं। भविष्य में परिवार का कोई सदस्य शराब नहीं पिएगा। मुआवजे के लिए रखी गई विस्तृत शर्त कारगर और प्रशंसनीय है। इससे बिहार में शराब माफिया पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी। इस मुआवजे को एक तरह से अपराध के खिलाफ उपाय या प्रोत्साहन योजना के रूप में देखा जा सकता है, इसकी जरूरत पहले से ही रही है। खास बात यह है कि मुआवजा केवल ताजा मामलों में ही नहीं, बल्कि शराब से हुई मौतों के पुराने मामलों में भी दिया जाएगा। मतलब, जो शराब माफिया पहले बच गए हैं, उनकी भी अब खैर नहीं। हां, इसमें एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि पुलिस को ऐसे लोगों की सुरक्षा का प्रबंध भी करना होगा, जो अपराधियों के खिलाफ खड़े होंगे। पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ गई है। पुलिस- प्रशासन को शराब के खिलाफ पूरे समाज को साथ लेकर चलना होगा, तभी अपराधियों को घेरना संभव होगा। अफसोस, पुलिस का रवैया लोगों के साथ पहले से ही दोस्ताना रहता, तो सरकार को यूं मुआवजा या अपराध विरोधी प्रोत्साहन देने की जरूरत नहीं पड़ती। बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू हुई थी, पर शराबखोरी रुकी नहीं है।

सरकारी तोता नहीं, अब गरुड़ बन गई है सीबीआई

विश्लेषण

सियाराम पांडेय शांत

1963 से लेकर अब तक सीबीआई लोगों की सेवा कर रही है। श्रीनगर से तिरुअनंतपुरम और गांधीनगर से ईटानगर तक देश के 36 शहरों में इसके अपने कार्यालय हैं। सीबीआई ने वांछित भगोड़ों की भारत वापसी के लिए ऑपरेशन त्रिशूल , ड्रग्स संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए आपरेशन गरुड़ , साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आपरेशन चक्र , बाल यौन शोषण को रोकने के लिए आपरेशन मेघ चक्र लॉन्च कर रखा है। देश के प्रथम सीबीआई निदेशक डी.पी.कोहली ने अपने अधिकारियों से कहा था कि जनता आपसे कार्यकुशलता और सत्य निष्ठा में उच्चतम स्तर की अपेक्षा करती है। इस विश्वास को बनाए रखना है। कहना न होगा कि सीबीआई आज भी उन अपेक्षाओं पर खुद को खरा साबित करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करती है। चाहे एलएन मिश्रा हत्याकांड, राजीव गांधी हत्याकांड, मुंबई बम विस्फोट मामला रहा हो या फिर पुरुलिया में हथियार गिराने का मामला, उनका रहस्योद्घाटन सीबीआई ने जिस खूबी और पारदर्शिता से किया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है।

किसी भी संस्था की षष्टिपूर्ति मायने रखती है। भारत ही एक ऐसा देश है, जहां साठ साल के व्यक्ति को जवान माना जाता है। साठा पर पाठा कहने की परंपरा रही है। संस्थाओं पर भी कमोवेश यही बात लागू होती है। किसी संस्था के साठ साल पूरे करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की स्थापना के हाल ही में साठ साल पूरे हो गए हैं। उसकी स्थापना 01 अप्रैल, 1963 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एक संकल्प के जरिये की गई थी। भ्रष्टाचार के उन्मूलन और सत्यनिष्ठा की स्थापना के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 पारित हुआ था। सन 1962 में लाल बहादुर शास्त्री ने प्रशासन में भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं से निपटने और सुझाव देने के लिए संथानम कमेटी बनाई थी। कमेटी की संस्तुतियों पर अमल करते हुए भारत सरकार ने एक अप्रैल 1963 को प्रस्ताव द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई की स्थापना की थी।

1963 से लेकर अब तक सीबीआई लोगों की सेवा कर रही है। श्रीनगर से तिरुअनंतपुरम और गांधीनगर से ईटानगर तक देश के 36 शहरों में इसके अपने कार्यालय हैं। सीबीआई ने वांछित भगोड़ों की भारत वापसी के लिए ऑपरेशन त्रिशूल , ड्रग्स संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए आपरेशन गरुड़ , साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आपरेशन चक्र , बाल यौन शोषण को रोकने के लिए आपरेशन मेघ चक्र लॉन्च कर रखा है। देश के प्रथम सीबीआई निदेशक डी.पी.कोहली ने अपने अधिकारियों से कहा था कि जनता आपसे कार्यकुशलता और सत्य निष्ठा में उच्चतम स्तर की अपेक्षा करती है। इस विश्वास को बनाए रखना है। कहना न होगा कि सीबीआई आज भी उन अपेक्षाओं पर खुद को खरा साबित करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करती है। चाहे एलएन मिश्रा हत्याकांड, राजीव गांधी हत्याकांड, मुंबई बम विस्फोट मामला रहा हो या फिर पुरुलिया में हथियार गिराने का मामला, उनका रहस्योद्घाटन सीबीआई ने जिस खूबी और पारदर्शिता से किया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है।

पश्चिम बंगाल के शारदा चिट फंड घोटाले, कोयला घोटाले, आईसी-813 हाइजैकिंग केस, बिहार के सृजन घोटाले, प्रियदर्शनी मट्टू मर्डर केस, बिहार के चारा घोटाले , कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले, टेलीकॉम घोटाले, हर्षद मेहता केस, स्टांप पेपर घोटाले, सत्यम घोटाले, कैट स्कैम केस,को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग स्कैम, शोपियां दुष्कर्म और हत्या मामला, बेंगलुरु हत्याकांड, असम सीरियल ब्लास्ट मामले, कोठखाई दुष्कर्म हत्या केस , यश बैंक- डीएचएफएल लोन धोखाधड़ी केस, एनएसई को-लोकेशन स्कैम की जांच और उसे अंजाम तक पहुंचाने की अनेक उपलब्धियां उसके नाम हैं। वह अपराधियों और राजनीतिज्ञों दोनों के आंखों की किरकिरी बनी रहती है लेकिन जनता का भरोसा जीतने में वह कभी पीछे नहीं रही।

यह और बात है कि उस पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने के भी आरोप लगे। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्ववाली संप्रग सरकार में तो देश की शीर्ष अदालत ने उसे सरकारी तोता तक कह दिया था लेकिन इसके बावजूद सीबीआई ने अपने दायित्वों से समझौता नहीं किया। जब जहां, जैसा मौका मिला, उसने अपनी जांच प्रक्रिया को न केवल गति दी बल्कि अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे भेजने में भी बड़ी भूमिका का निर्वाह किया। जिस कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकार पर सीबीआई को सोने के पिंजरे में बंद करके रखने का आरोप था, वही कांग्रेस और फिलहाल उसके समर्थन में खड़े भाजपा विरोधी दल भी सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की भूमिका को आए दिन कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। इसकी अपनी बड़ी वजह भी है।

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई से कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों को छोड़ा न जाए। मार्च 2016 में मंत्री जितेंद्र सिंह ने संसद को बताया था कि वर्ष 2013 में भ्रष्टाचार के लिए 1136 लोग दोषी करार दिए गए जबकि 2014 में 993, 2015 में 878, 2016 में 71 लोग दोषी करार दिए गए। इस लिहाज से देखें तो संप्रग सरकार में दोष सिद्धि की दर अधिक रही। बकौल सिब्बल, लोग झूठ बोल सकते हैं लेकिन तथ्य नहीं। भ्रष्टाचारी को कौन बचा रहा है? अब यह उनकी सुविधा का संतुलन है लेकिन जितेंद्र सिंह ने जब यह आंकड़ा पेश किया तो उनका मंतव्य था कि राजग सरकार में भ्रष्टाचार में कमी आई है। अब यह अपना-अपना नजरिया है कि हम चीजों को अपनी सुविधा के लिहाज से देखते हैं।

सच तो यह है कि विपक्ष के कई नेताओं के खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच चल रही है। ज्यादातर जांच बहुत समय से चल रही है। शिवसेना, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, राजद, झारखंड मुक्ति मोर्चा , टीआरएस, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जैसे दलों के बहुत से नेता सीबीआई जांच के दायरे में हैं। जैसे-जैसे विपक्षी दलों के नेता जांच के शिकंजे में फंस रहे हैं, वैसे-वैसे मोदी सरकार पर सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग के आरोप भी लग रहे हैं। ऐसा लगता है कि 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर अगर विपक्षी दलों में एकता बनेगी तो इसके मूल में सीबीआई-ईडी की उन पर चल रही कार्रवाई ही प्रमुख होगी।

यह और बात है कि विपक्ष मोदी सरकार के अब तक के नौ वर्षों के कार्यकाल में कोई ऐसा ठोस मुद्दा नहीं तलाश पाया है जिसे धार देकर वह चुनावी वैतरणी पार कर सके। सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले, लोकतंत्र पर खतरे जैसे आभासी मुद्दे उछाल कर विपक्ष केंद्र की नरेंद्र सरकार को चुनौती देना चाहता है। विपक्ष भ्रष्टाचार के आरोपों को सियासी मुद्दा बनाकर जिस तरह सरकार को चुनौती देने में जुटा है, तो मोदी सरकार भी भ्रष्टाचार की ही पिच पर 2024 का सियासी मैच खेलने का मन बना चुकी है।

सीबीआई के हीरक जयंती समारोह में एक भी भ्रष्ट व्यक्ति को न बख्शने की सीबीआई को नसीहत देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष को सीधा संदेश दे दिया है। साथ ही, भ्रष्टाचार को न केवल लोकतंत्र और न्याय की राह में सबसे बड़ा रोड़ा करार दिया है बल्कि यह भी कहा है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की प्रमुख जिम्मेदारी भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने की है। यह सुस्पष्ट करने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई कि मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार से लड़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति कम नहीं है। देश चाहता है कि किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति को बख्शा न जाए। उनका मानना है कि भ्रष्टाचार गरीब से उसका हक छीनता है, अनेक अपराधों को जन्म देता है। उनकी सरकार मिशन मोड पर काले धन और बेनामी संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। भ्रष्टाचारियों ही नहीं, भ्रष्टाचार की वजहों से भी लड़ रही है। भ्रष्टाचार प्रतिभा का सबसे बड़ा दुश्मन है। यह भाई-भतीजावाद और परिवारवाद को प्रोत्साहित करता है। जब ये दोनों बढ़ते हैं तो देश की ताकत प्रभावित होती है और जब ताकत कमजोर होती है तो इसका असर विकास पर भी पड़ता है। आज भी जब किसी को लगता है कि कोई केस असाध्य है तो आवाज उठती है कि मामला सीबीआई को दे देना चाहिए। संप्रग सरकार में सीबीआई वह तोता थी जिसके पंख राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में कटे हुए थे लेकिन अब न केवल उसे पंख मिल गए हैं बल्कि वह जांच के क्षेत्र में प्रमुखता से उड़ान भर पा रही है। वह अब पिंजरे में बंद सरकारी तोता नहीं, बल्कि गरुड़ बन गई है जो भ्रष्टाचार के नागों का एक-एक कर भक्षण कर रही है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

केंद्र की अच्छी पहल है भ्रष्टाचार मुक्त भारत

देश को अच्छा वातावरण देने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रणाली की चाह हर किसी को है, क्योंकि भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक घर कर चुकी हैं। यह भी एक बड़ा सच है कि जो भ्रष्टाचार का शिकार होता है, वह अनीति के मार्ग पर कदम बढ़ाने का दुस्साहसिक कार्य ही करता है। सैद्धांतिक तथ्य यह है कि जितना भ्रष्टाचार करने वाला दोषी है, उतना ही भ्रष्टाचार का शिकार होने वाला भी दोषी है, इसलिए दोनों का ही जीवन कुसंस्कार की बलि चढ़ जाता है। कहा जाता है कि जो परिश्रम करके खाता है, उसके जीवन में संतोष होता है, लेकिन जो भ्रष्टाचार करके खाता है, उसको कई लोगों के हृदय से उफनती हुई गालियों को झेलना होता है यानी उसको बद्दुआ ही मिलती है।

कांग्रेस के शासनकाल में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर हुए, उससे तो ऐसा ही लगता था कि अब देश से भ्रष्टाचार रूपी बुराई का अंत नहीं हो सकता। यह सामान्य अवधारणा स्थापित हो चुकी थी। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से केंद्र सरकार पर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। इसका कारण स्पष्ट है कि केंद्र सरकार की इस मामले में स्पष्ट नीति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रथम कार्यकाल में ही यह कहकर भ्रष्टाचार मिटाने की संकल्प लिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। कहा जाता है कि जब शासनकताओं की नीयत साफ होती है तो नीचे भी संदेश अच्छा ही जाता है।

अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक कार्यक्रम में एक बार फिर से इस आशय को स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। यानी केंद्र सरकार आज भी भ्रष्टाचार मिटाने के लिए संकल्पित है। वर्तमान में केंद्र सरकार के स्तर से भ्रष्टाचार मिटाने की ठोस पहल की जा रही है। इतना ही नहीं आज केंद्र सरकार ने देश में घर कर चुकी इस आम धारणा को बदला है कि भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत केवल केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से ही संभव हो सकेगा। ऐसा नहीं हो सकता। इसके लिए देश की राज्य सरकारों को भी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग करना चाहिए। इसके लिए सरकार को जांच एजेंसियों का सहयोग लेना चाहिए।

यह बात सही है कि देश में केंद्रीय जांच ब्यूरो एक ऐसी संस्था है, जिस पर हर कोई विश्वास करता है। देश में किसी भी घटना में न्याय की उम्मीद नहीं दिखने पर लोग सीबीआई जांच की मांग भी इसलिए ही करते हैं, क्योंकि सीबीआई जांच के मामले में एक विश्वसनीय संस्था है। पिछले कुछ सालों में ब्यूरो ने ऐसे लोगों पर हाथ डालने का साहस दिखाया है, जिस पर हाथ डालने की किसी ने हिम्मत नहीं की। ऐसे लोगों द्वारा देश के धन पर एक प्रकार से डाका ही डाला था। सरकारी खजाने की लूट करने वाले इन भ्रष्टाचारियों पर अगर सीबीआई ने कार्रवाई की है, तो इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने वाला ठोस कदम ही माना जाना चाहिए, लेकिन देश में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार से ब्यूरो की जांच को आधार बनाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया, वह उनकी मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। सवाल यह है कि अगर इन लोगों ने भ्रष्टाचार के रूप में कमाई नहीं की है तो इनको डर क्यों लग रहा है? डरता वही है, जो गलत होता है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर दोष सिद्ध होने के बाद भी उनकी ओर से सीबीआई पर आरोप लगाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि वे स्वयं भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके हैं, इसलिए वे भ्रष्टाचार के बारे में किसी भी प्रकार बातें करते हैं तो वे सार्थक नहीं कही जा सकती। ऐसा नहीं है कि ऐसी भाषा केवल लालू प्रसाद यादव ही बोलते हैं, इसके इतर भी विपक्ष के अन्य राजनेता भी उलटा चोर कोतवाल को डाटे वाली उक्ति को चरितार्थ करते दिखाई देते हैं।

जहां तक भ्रष्टाचार की बात है तो यह कहा जाना समीचीन होगा कि भ्रष्टाचार के कारण अपेक्षित विकास की राह में अवरोधक पैदा होते हैं। सरकार की योजनाएं धरातल पर उस तरीके से नहीं पहुंच पातीं, जैसा सरकार चाहती है। पहले योजनाओं के लिए जो पैसा आता था, वह अधिकतर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन अब इसमें बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिस हितग्राही को एक हजार रुपये मिलना है, उसे पूरा एक हजार मिलता है। भ्रष्टाचार करने वालों का यही एक ऐसा दर्द है, जिसे केंद्र सरकार ने करेले जैसे स्वभाव पर नीम चढ़ा दिया है। केंद्र सरकार के इस अभियान को जिस प्रकार से जनता का समर्थन मिल रहा है, उस प्रकार से विपक्ष द्वारा भी समर्थन मिल जाए तो भ्रष्टाचार को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पिछले आठ वर्षों के दौरान जिस प्रकार से छापामारी की है, उसमें कई बड़े लोगों के पास करोड़ों की अवैध संपत्ति मिली है। खास बात यह है कि यह ऐसे लोग हैं, जिनको स्वयं भी इस बात का अहसास नहीं था कि सीबीआई इन पर भी छापामार कार्रवाई कर सकती है। इसके पीछे राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण ही एक मात्र कारण था। अब इस प्रकार के संरक्षण में बहुत भारी कमी आई है। इसी के चलते सीबीआई बिना किसी संरक्षण के उन मठाधीशों पर कार्रवाई करने के लिए कदम बढ़ाती है, जिनके यहां काली कमाई के रूप में संपत्ति के संकेत मिलते हैं। भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए ऐसा करना आवश्यक भी है। इसलिए राज्यों को भी केंद्र का सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि इस प्रकार के कार्य आम जनता को राहत प्रदान करने वाले ही होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

यह मेरा सौभाग्य था कि चंद्रशेखर जी जैसे महान व्यक्तित्व के साथ मुझे समय बिताने का मौका मिला और बहुत कुछ सीखने को मिला। प्रधानमंत्री संग्रहालय में देशवासी चंद्रशेखर जी के साथ ही अपने सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को देख पाएंगे। मैं हर किसी से अनुरोध करूंगा कि वो यहां जरूर जाएं।

(पधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

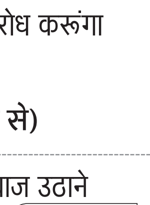

मुद्दा नियोजन नीति का हो या कोई अन्य, आवाज उठाने वाली संख्या अधिक हो या कम, शासन का दायित्व है कि संवाद करे। अपनी बात समझाए, सामने वाले की समझे। समस्या जैसी भी हो संवाद से समाधान निकाले। पुलिस बल का प्रयोग अंतिम उपाय होना चाहिए, दमन अस्वीकार्य है, निंदनीय है।

(विधायक सरयू राय के ट्विटर अकाउंट से)

अंग्रेजों ने भीड़ के सामने दी फांसी

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देश की आजादी के संघर्ष में वीरता, पराक्रम और रणनीति के लिए विख्यात अखंड भारत के पहले स्वाधीनता समर के महानायक क्रांतिवीर तात्या टोपे का जन्म 1814 को येवला ग्राम में मा रुक्मिणी बाई और पिता पाण्डुरंगराव भट्ट येवलेकर के घर पर हुआ था। तात्या का परिवार 1818 में नाना साहब पेशवा के साथ ही बिठूर आ गया था। अंग्रेजों द्वारा हर कदम पर भारत और भारतीयों के विरुद्ध खेली जा रही चालों के विरुद्ध एक देशव्यापी अभियान संगठित रूप से चलाने में नाना साहब पेशवा के साथ तात्या टोपे का बड़ा योगदान था। यह अभियान 1857 के संग्राम से काफी पहले से आरम्भ होकर तात्या टोपे की मृत्यु तक निर्बाध चलता रहा। 1857 की क्रांति में तात्या टोपे ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा शुरू की गई 'गुरिल्ला युद्धशैली (छापामार युद्धशैली)' को अपनाकर आजादी की लड़ाई को अपनी शहादत तक निरन्तर जारी रखा।

तात्या टोपे के साहसपूर्ण कार्य और विजय अभियान रानी लक्ष्मीबाई के साहसिक कार्यों और विजय अभियानों से कम रोमांचक नहीं हैं। रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध अभियान जहां केवल झांसी, कालपी और ग्वालियर के क्षेत्रों तक सीमित रहे, वहीं तात्या टोपे एक विशाल राज्य के समान कानपुर से राजपूताना और मध्य भारत तक फैल गए थे। कर्नल ह्यूरोज, जो मध्य भारत युद्ध अभियान के सर्वेसर्वा थे, ने यदि रानी लक्ष्मीबाई की प्रशंसा 'उन सभी में सर्वश्रेष्ठ वीर' के रूप में की थी तो मेजर मीड को लिखे एक पत्र में उन्होंने तात्या टोपे के विषय में यह कहा था कि - 'वह भारत की आजादी के युद्ध के राजनेताओं में बहुत ही विप्लवकारी प्रकृति के थे और उनकी संगठन क्षमता भी प्रशंसनीय थी।' तात्या टोपे ने आजादी के आंदोलन के उस समय के सभी क्रांतिकारी नेताओं की अपेक्षा शक्तिशाली ब्रिटिश शासन की नींव को कहीं अधिक ताकत और सामर्थ्य के साथ हिलाकर रख दिया था। उन्होंने दुश्मन के साथ लंबे समय तक संघर्ष जारी रखा। जब स्वतंत्रता संघर्ष के सभी नेता एक-एक करके अंग्रेजों की श्रेष्ठ सैनिक शक्ति से पराभूत हो गए तो उस स्थिति में भी तात्या टोपे अकेले ही क्रांति की पताका फहराते रहे। उन्होंने लगातार नौ महीनों तक उन आधे दर्जन ब्रिटिश कमांडरों को छकाया जो उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। वे अपराजेय ही बने रहे। अंग्रेज सेनापतियों को वे नाकों चने चबवाते रहे। उदाहरण है उत्तर में अलवर से लेकर दक्षिण में नयापुरा तक और पश्चिम में उदयपुर से लेकर पूर्व में सागर तक का इतिहास। बॉम्बे टाइम्स अखबार के संवाददाता ने तात्या टोपे से उनकी गिरफ्तारी के बाद भेंट की थी और 18 अप्रैल 1859 के संस्करण में लिखा था- 'तात्या न तो खूबसूरत हैं और न ही बदसूरत। किंतु वह बुद्धिमान हैं। उनका स्वभाव शांत और निर्बाध है। उनका स्वास्थ्य अच्छा और कद औसत है। उन्हें मराठी, उर्दू और गुजराती का अच्छा ज्ञान था। वे इन भाषाओं में धारा-प्रवाह बोल सकते थे। वह रुक-रुक कर, किंतु स्पष्ट रूप से, एक नपी-तुली शैली में बोलते थे। किंतु उनकी अभिव्यक्ति का ढंग अच्छा था और वे श्रोताओं को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते थे। यह सच है कि तात्या अपनी वाक शक्ति और समझाने की अपनी शक्ति से प्रायः अपने विरोधियों की सेनाओं को भी समझाकर अपने पक्ष में मिला लिया करते थे।' पाड़ौन के जंगल में तात्या टोपे के साथ विश्वासघात हुआ था। राजा मान सिंह अंग्रेजों से मिल गया और उसकी गद्दारी के कारण तात्या टोपे 08 अप्रैल, 1859 को सोते समय में पकड लिए गए। रणबांकुरे तात्या को कोई जागते हुए नहीं पकड़ सका। विद्रोह और अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध लड़ने के आरोप में 15 अप्रैल, 1859 को शिवपुरी में तात्या का कोर्ट मार्शल किया गया।

मुझे कुछ कहना है...

नियोजन नीति का मामला इनदिनों पूरे राज्य में चर्चा में है। खासतौर पर राजधानी में इस मुद्दे को लेकर काफी गर्मी है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पर उतारु छात्रों पर पुलिस ने रोकने की कोशिश की। यहां तक कि उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज करनी पड़ी। हालांकि आंदोलनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आंदोलनकारी छात्रों से बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। इसके पूर्व भाजपा ने खतियान आधारित स्थानीयता और आरक्षण के मामले में जो रवैया अपनाया था उससे झारखंडी छात्र-युवाओं के हितों को गहरा धक्का लगा है। बिहार में स्थानीयता आधारित नियोजन को देखते हुए हेमंत सरकार को झारखंड राज्य के अंदर ही इसका हल निकालने के लिए पुन नई नीति की ओर बिना देर किए बढ़ना चाहिए। इस मामले का जितना जल्दी हल निकाला जा सके उतना ही बेहतर होगा। ऐसा नहीं किए जाने पर इस मुद्दे पर राजनीति होती रहेगी। इससे किसी का भला नहीं होने जा रहा। इसलिए बातचीत के माध्यम से सहमति बनाकर रास्ता निकाला जाना चाहिए। झारखंड विधानसभा से पारित 1932 खतियान नीति और आरक्षण को झारखंड विधानसभा ने पारित कर केंद्र से अनुकूल कार्रवाई का आग्रह किया था। लेकिन एक ओर भाजपा ने इसे न्यायिक विवाद में फंसा दिया। इसके अलावा राजभवन से पारित आरक्षण नीति को वापस करवा दिया गया। झारखंडी छात्र-युवा अपने अधिकारों को हासिल करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। इसलिए भी यह जरूरी है कि स्थानीयता आधारित नियोजन और आरक्षण के पक्ष में खड़ा होकर छात्र-युवाओं के साथ संवाद शुरू करने के साथ-साथ केंद्र पर दबाव डालने के लिए संयुक्त कार्यक्रम की ओर बढ़ा जाए। केंद्रीय प्रतिष्ठानों एवं उद्योगों में भी समीक्षा कर स्थानीयता और सामाजिक स्थिति के अनुसार झारखंडी युवाओं का नियोजन शुरू किया जाना चाहिए। आखिर इस मुद्दे को जिंदा रखने का कोई औचित्य नहीं है।

एस अली, अध्यक्ष झारखंड छात्र संघ।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना – रातू, जिला – रांची, झारखंड, पिन – 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक – फहीम अख्तर* (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

राजस्थान रॉयल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स को

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ की टीम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिससे आखिर में वह 10 से 15 रन कम बना पाई।

कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंदों पर 74 रन बनाकर फॉर्म ने वापसी की जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उसके बल्लेबाजों को हालांकि बीच के ओवरों में रन बनाने पर ध्यान देना होगा। लखनऊ के पास काइल मायर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के रूप में अच्छे पावर हिटर हैं लेकिन उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी नहीं निभा पा रहे हैं। इसके अलावा दीपक हुड्डा का रन नहीं बना पाना भी टीम के लिए चिंता का विषय है। पंजाब के खिलाफ लखनऊ में प्रतिभाशाली रवि बिश्नोई को देर से गेंद सौंपने की गलती की। बिश्नोई अपनी गुगली से बल्लेबाजों को गच्चा देने में माहिर हैं और कप्तान राहुल को डेथ ओवरों की बजाय बीच के ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहिए। टीम के दो अन्य स्पिनर कृष्णप्पा गौतम और क्रुणाल पंड्या अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

मार्क वुड और आवेश खान के रुप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के खिलाफ युद्धवीर सिंह चरक ने भी अपना प्रभाव छोड़ा। लखनऊ के लिए हालांकि राजस्थान से पार पाना आसान नहीं होगा जिसने लगातार तीन मैचों में जीत दर्ज करके अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। राजस्थान के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है जिसमें यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और संजू सैमसन ने टीम के शीर्ष क्रम में बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। बटलर ने अभी तक टीम की तरफ से सर्वाधिक 204 रन बनाए हैं जबकि जायसवाल के नाम पर 136 रन दर्ज हैं।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में यह दोनों सलामी बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और ऐसे में कप्तान सैमसन और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा कर टीम को जीत दिलाई थी। देवदत्त पडिक्कल ने भी आक्रामक पारी खेली लेकिन रियान पराग मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे। राजस्थान का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें युजवेंद्र चहल, एडम जंपा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दुनिया के नामी स्पिनर शामिल हैं। उसके पास ट्रेंट बौल्ट जैसा मारक तेज गेंदबाज है जबकि संदीप शर्मा अपने अनुभव का अच्छा उपयोग कर रहे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा।

जोकोविच का बांजा लूका में पहला मुकाबला एशचे से

बांजा लूका (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच गत सप्ताह मोंटे कार्लो मास्टर्स में मिली हार से उबरकर अब बांजा लूका जीत दर्ज करना चाहते हैं। जोकोविच को इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच का पहला मुकाबला यहां फ्रांस के लूका वान एशचे के खिलाफ होगा। एशचे ने विश्व में तीसरी वरीयता प्राप्त स्टेनिस्लास वावरिंका को 1-6, 7-6(4), 6-4 से हराया है।

मोंटो कार्लो में मुसेटी से हारने के बाद भी जोकोविच के लिए यह सत्र अच्छा रहा है। उनका इस सत्र में हार और जीत का रिकार्ड 16-2 है। उन्होंने एडिलेड और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब जीते हैं। एटीपी टूर पर 93 बार खिताब जीत चुके जोकोविच यदि इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचते हैं तो वह 1050 टूर लेवल मैच जीत लेंगे। ओपन युग में केवल चार खिलाड़ियों के नाम ही यह उपलब्धि है। इसमें जिमी कोनर्स (1,274), रोजर फेडरर (1,251), राफेल नडाल (1,068) और इवान लैंडल(1,068) शामिल हैं। इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें बोस्निया का माहौल पसंद है। वह दशक से अधिक समय बाद इस देश में आर रहे हैं। जोकोविच ने कहा, यहाँ आना अच्छा लगता है। मैं बांजा लूका में पहले भी कई बार आ चुका हूं। एक बार राष्ट्रपति से मिलने और मैडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने तथा दूसरी बार 2009 में, मैंने तब विक्टर ट्रोइकी के साथ एक इंडोर केंद्र में प्रदर्शनी मैच खेला था। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे ये यात्राएं अच्छी तरह याद हैं। गत दिवस अभ्यास के दौरान यह स्पष्ट था कि उन्होंने स्थानीय दर्शकों को खुश कर दिया है जो उन्हें देखने आये थे।

कैपिटल्स के पास अब भी वापसी का अवसर : गांगुली

बेंगलुरू (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने अपनी टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि उसे पांच मैचों में मिली हार से उबरकर बचे हुए नौ मैच जीतने पर ध्यान देना चाहिये। गांगुली के अनुसार टीम अब भी जीत के साथ ही वापसी कर सकती है। दिल्ली को अपने पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसी के साथ ही टीम अंकतालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है।

गांगुली ने एक वीडियो में कहा कहा, हमें हार को पीछे छोड़ने की जरूरत है। कप्तान पर ही आधारित न रह, एक दूसरे के साथ सहयोग कर हम अगले मैच में नए सिरे से वापसी करेंगे। हम अब ओर नीचे नहीं जा सकते बल्कि ऊपर ही आ सकते हैं। अभी भी 9 मैच बचे हैं जिनमें हम जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करते हैं या क्वालीफाई नहीं करते हैं, इस स्तर पर यह हमारे लिए इतना मायने नहीं रखता है पर आइए अंदर देखें, अपने लिए खेलें, अपने गौरव के लिए खेलें और देखें कि क्या हम वहां पहुंच सकते हैं।

गांगुली ने टीम से यह भी कहा कि परिणाम जो दिखाते हैं, टीम उससे कहीं अच्छी है। उन्होंने कहा, अभी मैदान पर जो कुछ हो रहा है, हम उससे कहीं बेहतर टीम हैं। बस एक मैच रुख बदल सकता है। जिसमें हम सफल भी रहेंगे। साथ ही कहा कि कप्तान डेविड वार्नर पर भरोसा कायम रखें। टीम एकजुट होकर कप्तान के साथ मिलकर वापसी करे।

अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से जीत रही रॉयल्स: बोल्ट

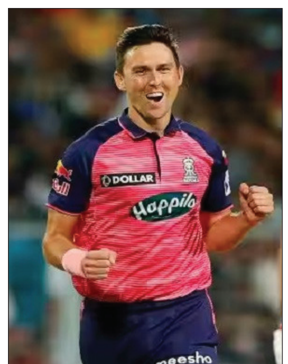

अहमदाबाद (एजेंसी)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अनुसार इस बार आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की सफलता का रहस्य अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों का टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना रहा है। बोल्ट ने कहा कि यह टीम का सकारात्मक पक्ष भी रहा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में एक समय लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम मुश्किल स्थिति में थी पर ऐसे में कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर ने अर्धशतक लगाकर उसे संभाला।

बोल्ट ने कहा, '' हमारी टीम में कुछ बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और मुझे लगता है कि असली सकारात्मक यह है कि अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों ने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। '' इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' जोस बटलर हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। इस मैच में उनके विफल होने पर अन्य खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी।

बोल्ट ने कहा, ''कप्तान सैमसन ने गुजरात के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान कठिन हालातों में बहुत दबाव झेला। उसने खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया और टीम को वापसी करायी। उसे इस दौरान दूसरे खिलाड़ियों का अच्छा साथ मिला।''उन्होंने बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने के लिए स्पिनर आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और एडम जम्पा के साथ ही तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के पदर्शन को भी सराहा। बोल्ट ने कहा, '' स्पिनरों के कारण हम मैच में वापसी करने में सफल रहे। आईपीएल में इस बार राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में शीर्ष पर है।

अर्जेंटीना 2023 में फीफा अंडर 20 विश्व कप की करेगा मेजबानी

जेनेवा ।अर्जेंटीना, इंडोनेशिया के स्थान पर फीफा 2023 अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इंडोनेशिया को फीफा ने इसकी मेजबानी करने से हटा दिया है। विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने यह घोषणा की।फीफा परिषद के ब्यूरो ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) द्वारा बाद की बोली प्रस्तुत करने के बाद अपने फैसले की पुष्टि की और फीफा प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह दक्षिण अमेरिकी देश का निरीक्षण भी किया था।फीफा अंडर-20 विश्व कप 20 मई से 11 जून तक शुरू होगा और ऐसा पहली बार होगा जब अर्जेंटीना 2001 के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। फीफा अंडर-20 विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ 21 अप्रैल को ज्यूरिख में फीफा के मुख्यालय में होगा।

अगले साल भी आईपीएल खेल सकते हैं धोनी : मोईन

मुंबई (एजेंसी)। सुरेश रैना और कई अन्य क्रिकेटरों के बाद अब इंग्लैंड के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने भी कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले साल भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। मोईन के अनुसार धोनी अभी फिट हैं और वह अगले साल भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अटकलें हैं कि 40 की उम्र के धोनी इस सत्र के बाद आईपीएल को भी अलविदा कह देंगे। धोनी अब भी अपनी बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग और कप्तानी से छाये हुए हैं और युवाओं को भी टक्कर देते नजर आते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था। मोईन ने कहा, ''वह निश्चित रूप से अगले साल खेल सकते हैं।'' इस ऑलराउंश्र ने कहा, ''जिस तरह से वह खेल रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी उन्हें इससे रोकेगी। वह अगले दो या तीन साल तक और खेल सकते हैं।'' राजस्थान के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी देख कर मुझे हैरानी नहीं हुई थी। मैं उन्हें नेट सत्र में देखता हूं और वह काफी अच्छी बल्लेबाजी करते नजर आते हैं।' वह काफी फिट और जुनून से खेलते नजर आते हैं।

गरीब क्रिकेटरों के लिए होस्टल बना रहे रिंकू

नई दिल्ली ।बेहद कठिन हालातों के बीच निकलकर क्रिकेट में नाम कमाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह अब उभरते हुए गरीब क्रिकेटरों की सहायता के लिए एक होस्टल बना रहे हैं।रिंकू के इस होस्टल में वे युवा क्रिकेटर रह सकेंगे जो बाहर रहने का खर्च नहीं उठा सकते।रिंकू ये होस्टल अलीगढ़ में बनवा रहे हैं।रिंकू के बचपन के कोच मसूदज जफर अमिनी ने कहा, वह हमेशा ऐसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाना चाहता था, जिनके पास अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए पैसे नहीं थे।अब रिंकू आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है।इसलिए उसने आर्थिक तंगी से गुजरने वाले युवाओं के सपने को पूरा करने का फैसला किया है। इस हॉस्टल में 14 कमरे रहेंगे।इसके हर कमरे में 4 खिलाड़ियों के रहने की सुविधा रहेगी।साथ ही साथ ही इसमें एक शेड और मंडप भी बनाया जा रहा है। अलग वॉशरूम भी बन रहे हैं।कैंटीन की व्यवस्था भी अंदर ही की जा रही है।इस पर करीब 50 लाख रुपए खर्च होंगे और ये पूरा खर्च रिंकू द्वारा उठाया जा रहा है।रिंकू ने केकेआर में शामिल होने से पहले लगभग तीन महीने पहले इसका काम शुरू कराया था।इस हॉस्टल का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो है।अगले महीने तक यह बनकर तैयार हो जाएगा।रिंकू जैसे ही आईपीएल से लौटेंगे तो इसका उद्घाटन करेंगे।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में पाक को 4 रनों से हराया

लाहौर (एजेंसी)। यहां के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गये तीसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 4 रनों से हरा दिया। इस मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने टॉम लैथम के अर्धशतक 64 रनों और गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से यह जीत हासिल की। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 159 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ ही सीरीज जीतने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। मेजबान टीम इस समय 2-1 से आगे है। इस मैच में जीत के लिए 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एडम मिलने ने कप्तान बाबर आजम

को एक रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान भी 6 रन बनाकर आउट हो गये। पाक की आधी टीम 55 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद फखर जमान 17, साएम अय्यूब 10 और इमाद वसीम 3 रन बनाकर कीवी गेंदबाजों का शिकार बने।

इसके बाद शाहीन अफरीदी 6 रन और शादाब खान 16 रन पर पेवेलियन लौटे। इफ्तिखार अहमद ने 60 और फहीम अशरफ ने 27 रन बनाये। इन दोनो ने ही आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करके पाका को संभालने का प्रयास किया। इसके बाद मैट हेनरी ने अशरफ को मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर पाक की उम्मीदें तोड़ दीं। पाक को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन की जरुरत थी पर उसके अंतिम दो बल्लेबाज से रन नहीं बना पाये।

लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त दी

लीड्स।लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में पिछले पांच मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की।लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से करारी शिकस्त देने के बाद पिछले छह सप्ताह में प्रीमियर लीग में कोई मैच नहीं जीता था।कोडी जोकपा ने लिवरपूल की तरफ से पहला गोल किया।इसके बाद मोहम्मद सालाह और डिएगो जोटा ने दो-दो गोल दागे।स्थानापन्न खिलाड़ी डार्विन नुनेज ने टीम की तरफ से छठा और अंतिम गोल किया।लिवरपूल ने चार गोल दूसरे हाफ में किए।लीड्स के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरू में लुइस सिनिस्टररा ने किया।लिवरपूल के इस जीत से 31 मैचों में 47 अंक हो गए हैं और वाह आठवें स्थान पर बना हुआ है।लीड्स 16वें स्थान पर है।उसके 31 मैचों में 29 अंक हैं।

लखनऊ सुपरजायंटस और सीएसके मैच अब तीन मई को होगा

-निकाय चुनावों के कारण हुआ बदलाव

लखनऊ ।आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंटस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले मैच का कार्यक्रम बदल गया है।अब ये मैच इकाना स्टेडियम में चार मई की जगह एक दिन पहले तीन मई को खेला जाएगा।यह बदलाव नगर निकाय चुनावों को देखते हुए किया जा रहा है।तय कार्यक्रम के अनुसार ये मैच चार मई को तय था पर लखनऊ में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान के चलते इस मैच को बदलना पड़ा।इस बात को लेकर पहले ही अटकलें लगायी जा रहीं थी जो सही निकली हैं। सोमवार देर रात इस मैच का नया कार्यक्रम जारी होने से क्रिकेट प्रेमियों के बीच संशय हट गया।इस मैच को लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं।इस मैच को लेकर लखनऊ के क्रिकेट प्रशंसक उत्साहित हैं क्योंकि इस मैच में उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी को भी देखने का अवसर मिलेगा।यह मैच दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।धोनी को पहली बार लखनऊ में चौके छक्के लगाते हुए लोग करीब से देखना चाहते हैं।इस मैच के टिकट पेटीएम इनसाइडर से ऑनलाइन बुक किये जा सकते हैं।इसके अलावा कई ओर स्थलों से भी इन टिकटों को ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

मैक्सवेल ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया

बेंगलुरु। (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल का मानना है सोमवार को उनकी टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया। चेन्नई सुपर किंग्स ने बड़े स्कोर वाले इस मैच को आठ रन से जीता। चेन्नई ने बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ने इस मैच में अहम योगदान दिया। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (45 गेंदों में 83 रन), मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे (27 रन पर 52 रन) और मोईन अली (नौ गेंद पर नाबाद 19 रन) की आक्रामक पारियों से टीम छह विकेट पर 226 रन बनाने में सफल रही। आरसीबी की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

इस मैच में 36 गेंद में 76 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने वाले मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि छोटी सीमा रेखा (चिन्नास्वामी स्टेडियम में) का फायदा उनके वामहस्त बल्लेबाजों को हुआ। डेवोन कॉनवे ने इस दौरान लंबी पारी खेली।'' उन्होंने बायें हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद से गेंदबाजी नहीं कराने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, '' मुझे लगता है कि शाहबाज अहमद के लिए उन बल्लेबाजों (बायें हाथ के बल्लेबाज) के सामने गेंदबाजी करना जोखिम भरा होता।'' मैक्सवेल ने कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद में 62 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 126 रन जोड़कर जीत की उम्मीद जगा दी थी लेकिन दो ओवर के अंदर दोनों के आउट होने से मैच का रूख चेन्नई की तरफ मुड़ गया। मैक्सवेल ने कहा, '' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और लक्ष्य के करीब पहुंचे। हम ऐसी स्थिति में थे जहां से मैच जीत सकते थे।

आरसीबी को दोहरा झटका, हार के साथ ही विराट पर लगा जुर्माना

बेंगलुरु (ईएमएस)।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में दोहरा झटका लगा है।इस मैच में आरसीबी टीम को जहां हार का सामना करना पड़।वहीं उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है।विराट पर मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के अनुसार कोहली को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के नियमों का उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसका कारण ये है कि कोहली ने सीएसके के मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे के आउट होने पर अति उत्साह में कुछ ज्यादा ही जश्न मना लिया जो आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। आईपीएल ने अपने एक बयान में कहा, ' विराट पर सीएसके के खिलाफ हुए मैच में आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। इसमें कहा गया है, 'कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल एक के अपराध को मान लिया है , इसलिए आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है।इस मामले में मैच रैफरी का फैसला ही अंतिम होता है।

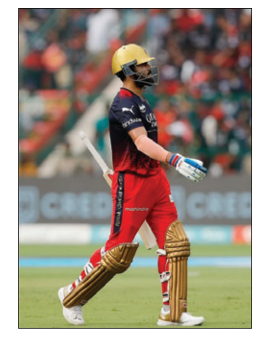

एशियाई खेलों से पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कड़ी परीक्षा होगी : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। बेंगलुरू - भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी तीन से 12 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जो हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आदर्श टूर्नामेंट होगा। भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

हरमनप्रीत ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे। मुझे याद है कि हमारे सीनियर खिलाड़ी 2007 में चेन्नई में खेले गए एशिया कप के बारे में बात किया करते थे जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा था।' उन्होंने कहा,'' यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे। एशियाई खेलों से पहले यह टीम के लिए कड़ी परीक्षा होगी।'

हरमनप्रीत ने कहा,'' इससे हमें अपने विरोधियों को भी परखने का मौका मिलेगा जिससे हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।' भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद 2018 में फाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा जिसके कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। ढाका में 2021 में खेले गए टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था।

विनायक दामोदर सावरकर का किरदार निभाने के लिए रणदीप ने वजन किया कम

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने अपनी दमदार अदाकारी से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। रणदीप अपनी हर फिल्म के किरदार में ढ़लने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वह जल्द ही पर्दे पर विनायक दामोदर सावरकर का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अपने किरदार में ढ़लने के लिए रणदीप ने अपना काफी वजन कम किया है। इस फिल्म में रणदीप सिर्फ एक्टिंग नहीं कर रहे बल्कि निर्देशक और निर्माता के तौर पर अपनी नई यात्रा की शुरुआत भी करने जा रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने बताया, सावरकर एक निर्देशक, लेखक और निर्माता के रूप में मेरी पहली फिल्म है। मैं इसके बारे में निडर हो रहा हूं। एक्टर ने कहा, सावरकर पर शोध शुरू करने से पहले मैं उनके बारे में बहुत सी बातें नहीं जानता था। डिटेल रिसर्च के जरिए हम फिल्म में दिखाएंगे कि उनका वास्तविक योगदान क्या था। मैं यह फिल्म भी आज के युवाओं से जुड़ने के लिए बना रहा हूं। रणदीप ने कहा, सावरकर की तैयारी के दौरान लगभग आठ महीनों तक मेरा वजन 22 किलोग्राम कम था, मेरा वजन 68 किलोग्राम था। चोट के बाद, मैं अब 71 किलोग्राम का हूं और मुझे फिर से वजन कम करने की जरूरत है, क्योंकि हम शूटिंग फिर से शुरू कर रहे हैं।

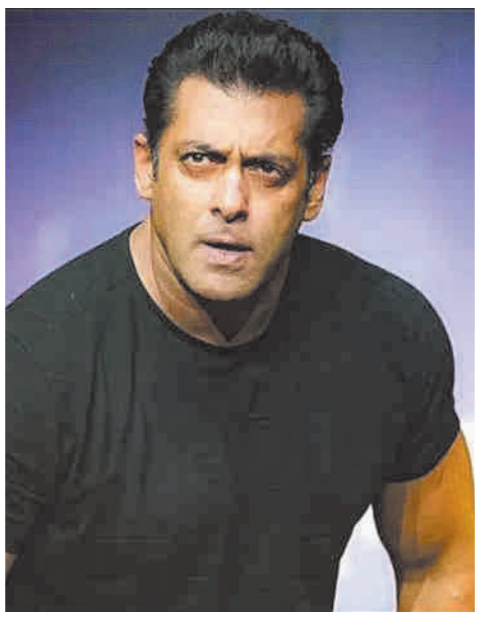

जब टैक्सी वाले के बिना पैसे चुकाए भाग गए थे सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने कॉलेज के दिनों को याद किया और उस किस्से के बारे बताया कि जब उनके पास टैक्सी ड्राइवर को देने के लिए पैसे नहीं थे और वह उन्हें बीच रास्ते में बिना किराया दिए छोड़ गए थे। हालांकि, कई साल बाद जब वह दोबारा उनसे मिले तो उन्होंने पूरी रकम ब्याज समेत चुका दी। सलमान ने कहा, हम आमतौर पर कॉलेज जाने के लिए ट्रेन से सफर करते थे, लेकिन कभी-कभी आराम से सफर करने का मन करता था, इसलिए एक दिन मैंने कॉलेज जाने के लिए टैक्सी लेने का फैसला किया। लेकिन, मजेदार बात यह थी कि टैक्सी के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने ड्राइवर को अपने कॉलेज से एक लेन दूर रोका और उससे कहा कि मैं पैसे एक जगह से लाकर उसे दे दूंगा, लेकिन मैं कभी वापस नहीं आया। 57 वर्षीय एक्टर ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..!, हम साथ-साथ हैं, करण अर्जुन, बीवी नंबर 1 से लेकर एक्शन तक कई हिट फिल्में दी हैं, जिसमें वांटेड, दबंग, रेडी, बॉडीगार्ड, एक था टाइगर, दबंग 2, किक सहित अन्य फिल्में शामिल है। वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन में बिजी हैं।

सलमान पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, राघव जुयाल, पलक तिवारी, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, विनाली भटनागर और सुखबीर सहित अपनी फिल्म के कलाकारों के साथ फिल्म का प्रमोशन करने के लिए द कपिल शर्मा शो में पहुंचे। होस्ट कपिल शर्मा के साथ बातचीत के दौरान, सलमान ने अपने कॉलेज के दिनों के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह ट्रेन से यात्रा करते थे, क्योंकि वह हर दिन टैक्सी का खर्च नहीं उठा सकते थे। हालांकि, एक बार आराम के लिए, उन्होंने अपने कॉलेज के लिए टैक्सी से यात्रा करने का फैसला किया, लेकिन बिना किराया चुकाए भाग गए। सालों बाद जब उन्हें इंडस्ट्री में काम मिलना शुरू हुआ तो उनकी मुलाकात उसी ड्राइवर से हुई और इस बार उन्होंने उन्हें सारे पैसे ब्याज सहित चुका दिए। उन्होंने कहा फिर आखिरकार मैं मॉडलिंग में आ गया और काफी अच्छी कमाई करने लगा, इसलिए मैंने फिर से घर जाने के लिए वापस टैक्सी लेने का फैसला किया।

मैंने एक टैक्सी रोकी और उसके अंदर बैठ गया, लेकिन पूरी यात्रा के दौरान टैक्सी ड्राइवर कहता रहा कि उसने मुझे पहले कहीं देखा है। इस बार जब मैं घर पहुंचा, तो मैंने उनसे कहा कि आपको पैसे मिल जाएंगे और उन्होंने मुझे पहचान लिया। उन दिनों के बारे में सोचकर हम दोनों हंसे, लेकिन मैंने यह सुनिश्चित किया कि मैं ब्याज के साथ बकाया पैसा वापस कर दूं। द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

सलमान के साथ काम करने का मतलब ढेर सारा अच्छा खाना और मस्ती: शहनाज गिल

बिग बॉस 13 से प्रसिद्धि पाने वाली शहनाज गिल और हाल ही में अभिनेता सलमान खान अभिनीत फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अपने अभिनय के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ अपने काम के अनभव के बारे में बात की। शहनाज गिल ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिनेत्री ने पंजाबी इंडस्ट्री का हिस्सा होने के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए अंतर और अपने करियर के लिए सलमान से मिली सलाह को भी साझा किया। शहनाज ने कहा कि बॉलीवुड की फिल्में बड़े बजट की फिल्में हैं। वास्तव में अधिकांश बॉलीवुड फिल्में बड़े बजट के साथ बनाई जाती हैं और सेट पर देखा जा सकता है कि वे कितने बड़े बजट की हैं। मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि पंजाबी इंडस्ट्री भी इसी तरह आगे बढ़े और इसी तरह बड़े बजट की फिल्में बने। शहनाज ने कहा, सलमान असल में वैसे ही हैं जैसे वह बिग बॉस के मंच पर दिखते हैं। मुझे उनमें कोई अंतर नजर नहीं आता। वह दूसरों को अच्छी सलाह देते हैं और उन्हें प्रेरित करते हैं। उन्होंने मुझे अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का कहा है और मैं वही कर रही हूं। मैं हिंदी भी सीख रही हूं। शहनाज ने शूटिंग अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, सलमान हमारे साथ खूब मस्ती करते थे। लंच से लेकर डिनर तक हमने वहां खाना खाने का लुत्फ उठाया। इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शहनाज ने कहा, मैं अपने करियर पर ध्यान देना चाहती हूं और कुछ नहीं। मुझे मीडिया और दर्शकों से प्यार और समर्थन मिलता रहता है। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने अभिनय कौशल पर कड़ी मेहनत करेंगी और उन्हें जो भी भूमिकाएं मिलेंगी, करेंगी। शहनाज ने सलमान द्वारा अभिनेत्रियों को रिवीलिंग ड्रेस पहनने से रोकने के सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ नहीं है, मैंने प्रमोशन के दौरान बहुत ही सेक्सी ड्रेस पहनी थी। उन्होंने कहा, सलमान सर मुझे प्रेरित करते रहते हैं और कहते हैं कि तुम अपने करियर में आगे बढ़ोगी।

सड़क 2 फेम क्रिसन परेरा ड्रग्स तस्करी में गिरफ्तार

फिल्म सड़क 2 फेम एक्ट्रेस क्रिसन परेरा मुश्किलों में घिर गई है। एक्ट्रेस को पुलिस ने संयुक्त अरब अमीरात में गिरफ्तार कर लिया है। एक्ट्रेस को शारजाह सेंट्रल जेल में कैद किया गया है। जानकारी के अनुसार, क्रिसन को करीब दो हफ्ते पहले ड्रग्स के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक्ट्रेस दो हफ्तों से ही जेल में बंद है। भारतीय वाणज्यि दूतावास ने एक्ट्रेस की गिरफ्तारी की खबर परिवार को दे दी है। हालांकि परिवार का दावा है कि क्रिसन इस मामले में आरोपी नहीं बल्कि पीड़ति है। क्रिसन परेरा की गिरफ्तारी के बाद उनके परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है उनका कहना है कि उनकी बेटी को जानबूझकर ड्रग्स के केस में फंसाया जा रहा है। क्रिसन के भाई केविन ने कहा- हम पिछले दो हफ्तों से लगातार इमोशनल टॉर्चर से गुजरे हैं, मेरी बहन निर्दोष है और उसे ड्रग रैकेट में फंसाया गया है। पता नहीं लोग उससे क्या चाहते हैं। हमें तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। इसके अलावा क्रिसन की मां प्रेमिला परेरा ने कहा- मेरी बेटी के साथ रवि नाम के शख्स ने ठगी की है। उसने मेरी बेटी की टीम को एक वेब सीरीज में काम करने के लिए मैसेज किया था। एक दो मीटिंग के बाद क्रिसन दुबई में एक ऑडिशन देने भी गई थीं। बाद में रवि ने एक अप्रैल को मुंबई इंटरनेशनल हवाई अड्डे के एक कॉफी शॉप पर बलाया था और उसे ऑडिशन स्क्रिप्ट का हिस्सा बताकर एक ट्रॉफी दी थी। क्रिसन अपने साथ इस ट्रॉफी को ले आई, जिसमें से ड्रग्स की स्मेल आ रही थी। ता दें क्रिसन परेरा का परिवार अपनी बेटी को जेल से बाहर निकालने के लिए कोई भी कीमत देने को तैयार हैं।

स्कूल में गणित की क्लास में मैंने एक्टर बनने का फैसला किया: फहमान खान

टीवी एक्टर फहमान खान, जो वर्तमान में धर्म पत्नी में नजर आ रहे हैं, ने खुलासा किया कि उन्होंने एक्टर बनने का फैसला कब और कैसे लिया। उन्होंने कहा- मैं स्कूल के समय से ड्रामा और थिएटर कर रहा था। एक दिन मैं मैथ की क्लास में बैठा था, मैं बहुत ऊब गया था, तब मैंने खुद से कई सवाल किया कि मैं यहां बैठकर क्या कर रहा हूं, मैं कुछ और करना चाहता हूं। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ एक अभिनेता बनना चाहता हूं और मैं मुंबई जाना चाहता हूं। उन्होंने मेरे डैड की दुल्हन और अपना टाइम भी आएगा जैसे टीवी शो किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बताया- मैंने अपने भाई को मैसेज किया कि यह सीन है। मैंने उन्हें एक लंबा मैसेज भेजा क्योंकि मैं घर पर किसी और को बताने से बहुत डर रहा था। मैं उनके जवाब के इंतजार में बहुत घबराया हुआ और डरा हुआ था, तभी भाई का मैसेज आया कि चिंता मत कर, मैं मम्मी पापा से बात करूंगा और अभिनेता बनने की दिशा में यह मेरा पहला शुरूआती कदम था।

जॉन की वजह से तीन दिनों तक रोईं थीं कटरीना

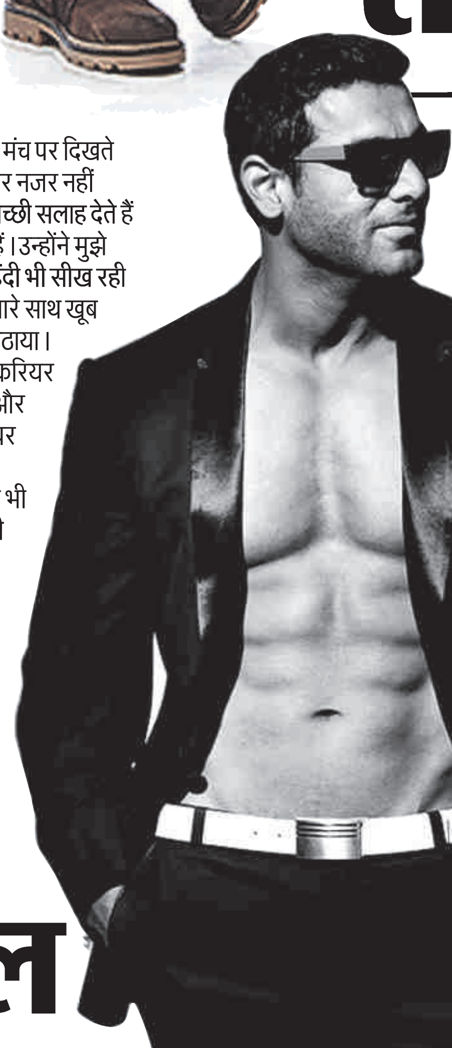

कटरीना के पास बदला लेने का मौका था

सलमान ने उस इंटरव्यू में ये भी कहा कि ये कटरीना का बड़प्पन था कि उन्होंने जॉन से कभी इस बात का बदला नहीं लिया। सलमान के मुताबिक, कटरीना चाहतीं तो जॉन को कबीर खान की फिल्म न्यूयॉर्क से हटवा सकती थीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो फिल्म आगे चलकर जॉन के करियर की सबसे बड़ी हिट बनी। हालांकि जब जॉन से इस विवाद के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने यही कहा था कि कटरीना को फिल्म न मिल पाने में उनका कोई रोल नहीं है। जॉन का कहना है कि 2003 में वो खुद इंडस्ट्री में नए थे तो वो क्या किसी एक्टर को फिल्म से बाहर निकालेंगे।

एक वक्त पर सलमान खान और जॉन अब्राहम के बीच तल्खी थी। इस तल्खी के पीछे की वजह कटरीना कैफ थीं। एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने कहा था कि जॉन ने 2003 में आई फिल्म साया से कटरीना को निकलवा दिया था। उनकी जगह पर एक्ट्रेस तारा शर्मा को कास्ट किया गया था। सलमान ने कहा कि इस बात को लेकर कटरीना तीन दिनों तक लगातार रोईं थीं। हालांकि इस मामले में जॉन ने भी रिएक्शन दिया था। उन्होंने कहा कि ये सभी बातें सिर्फ एक अफवाह हैं, वो खुद इंडस्ट्री में उस वक्त नए थे।

जॉन के कहने पर कटरीना हुई थीं फिल्म से बाहर?

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी का जान इसी ईद पर रिलीज होने वाली है। अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर भाईजान काफी सुर्खियों में हैं। इसी बीच उनका एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है। आप की अदालत में दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपनी और जॉन के बिगड़े रिश्तों पर बात की थी। दरअसल उस वक्त खबरें थीं कि अनुराग बसु की सुपर नेचुरल फिल्म साया में पहले कटरीना कैफ कास्ट होने वाली थीं, लेकिन जॉन अब्राहम के प्रेशर के बाद उन्हें इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था। कटरीना इस बात से काफी आहत हुई थीं।

कटरीना ने कहा- मेरा करियर चौपट हो गया

सलमान ने तब कहा था, कटरीना मेरे पास आकर तीन दिनों तक लगातार रोईं थीं। वो कहती थीं कि उनका करियर खत्म हो गया। उन्हें तीन दिन तक मैंने झेला था। तब मैंने कहा कि एक दिन आप बहुत आगे जाओगी। जाहिर है कि सलमान की ये बात सच साबित हुई और कटरीना आगे चलकर इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस बनीं।

विदेशी धरती पर दिलजीत ने मचाया धमाल

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने देश और विदेश में काफी अच्छी पहचान बनाई है। हर किसी को इनके गानों पर थिरकते देखा जा सकता है। हाल ही में सिंगर ने कैलिफोर्निया के कोचेला म्यूजकि फेस्टिवल में परफॉर्म किया है। इसी के साथ दिलजीत इस इवेंट में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी सिंगर बन गए हैं। सिंगर ने इतिहास रच दिया है। दिलजीत की परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। परफॉर्मेंस के दौरान दिलजीत दोसांझ काले रंग के कुर्ते चादरे में नजर आ रहे हैं। इसके साथ सिंगर ने मैचिंग पगड़ी बांधी हुई है। ब्लैक चश्मे से दिलजीत ने अपने लुक को कम्पलीट किया है। सिंगर इस देसी लुक में खूब जच रहे हैं। फैंस इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं और सिंगर को शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कैलिफोर्निया के कोचेला म्यूजकि फेस्टिवल में दिलजीत के अलावा पाकिस्तानी सिंगर अली सेठी ने भी परफॉर्म किया। काम की बात करें तो दिलजीत इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म जोड़ी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में सिंगर के साथ निमरत खैरा नजर आएगी।

उर्फी जावेद को मिली जान से मारने की धमकी एक्ट्रेस ने पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

उर्फी जावेद अक्सर अपनी ड्रेसिंग सेंस और बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में रहती है। इस समय उर्फी जान से मारने की धमकी को लेकर सुर्खियों में है, जिसका खुलासा खुद उन्होंने किया है। उर्फी का कहना है कि उन्हें एक अनजान कॉलर की ओर से जान से मारने की धमकी मिली है। इस धमकी भरे कॉल के बाद उर्फी ने उस अनजान शख्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। इसे लेकर उर्फी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी शेयर किया है। उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में पोस्ट शेयर कर लिखा- तो किसी ने मुझे नीरज पांडे के ऑफिस से कॉल किया। यह कहते हुए कि वह उनके सहायक है और सर मुझसे मिलना चाहते हैं। तो मैंने उसे कहा कि मिलने से पहले प्रोजेक्ट की सारी डिटेल्स मुझे चाहिए। इसपर वो शख्स मुझपर गुस्सा हो गया। उनसे मुझे कहा कि तुम्हारी नीरज पांडे का अपमान करने की हिम्मत कैसे हुई? उस शख्स ने मुझसे कहा कि वो मेरी गाड़ी का नंबर जानता है। मेरे बारे में सबकुछ जानता है। मुझे मार-मारकर मेरी जान ले ली जानी चाहिए, इसी के मैं लायक हूं। क्योंकि मैं खराब कपड़े पहनती हूं। ये सब उस शख्स ने मुझे सिर्फ इसलिए कहा क्योंकि मैंने उससे बिना पूरी जानकारी के मिलने से मना कर दिया था। उर्फी का पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। बता दें पिछले साल भी उर्फी ने दिसंबर में एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। उसने उर्फी को रेप की धमकी और अपशब्दों से भरे ऑडियो क्लिप्स भेजी थीं। शख्स का नाम नवीन रंजन गिरी बताया गया था। शख्स के खिलाफ भारतीय दंड सहिंता के सेक्शन 354 (यौन शोषण), 354डी (पीछा करना), 506(2) (मौत के लिए धमकाना), 509 (महिला के सम्मान का अपमान) के तहत मामला दर्ज किया गया था।